कोटद्वार, मंगलवार
17 फरवरी 2026
वर्ष: 48
अंक: 264 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मुनाफे के लालच में गंवाए 4.5 लाख

देहरादून : क्रिप्टो करेंसी में आठ फीसदी मुनाफे का झांसा देकर शातिरों ने 4.50 लाख रुपये की चपत लगा दी। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने की जीरो एफआईआर के आधार पर डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में ठगी का तरीका चौंकाने वाला है। माइल कॉलोनी, आराघर निवासी साहिब अख्तर (राजा) के साथ यह घटना। राजा से राहुल शर्मा नाम बताते हुए व्यक्ति ने व्हाट्एप पर संपर्क किया। पीड़ित को बिनान्स ऐप में निवेश पर कमाई का झांसा दिया। कहा कि इस पर आठ प्रतिशत या उससे अधिक कमाई होगी। पीड़ित ने झांसे में आकर 4.50 लाख रुपये का निवेश कर दिया। आरोपी ने शुरुआत में विश्वास जीतने के लिए कम रकम पर आठ प्रतिशत मुनाफा भी वापस दिया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपी के वॉलेट की जांच करने पर उसमें करोड़ों रुपये की ट्रांजेक्शन मिली हैं, जो किसी बड़े गिरोह की ओर इशारा करती हैं। इंस्पेक्टर डालनवाला संतोष कुंवर ने बताया कि शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। (एजेंसी)

धर्म की आड़ में गुमराह करने वाला गिरफ्तार

हरिद्वार। कालनेमि अभियान के तहत रानीपुर कोतवाली पुलिस ने धर्म का चोला ओढ़कर लोगों को भ्रमित करने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर आशुतोष राणा ने बताया कि सोमवार को गैस प्लांट क्षेत्र में एक व्यक्ति को पकड़ा गया, जो धर्म की आड़ में लोगों को गुमराह कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजय पुत्र वीर सिंह निवासी मकसूदपुर मंडावली बिजनौर, हाल पता–रानीपुर के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी गैस प्लांट उपनिरीक्षक विकास रावत, कांस्टेबल संजय बलूनी और कुलदीप शामिल रहे।

बाइक फिसलने से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

देहरादून। बाइक फिसलने से घायल हुए व्यक्ति की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। एसओ क्लेमनटाउन मोहन सिंह बताया कि लेन संख्या 6 पोस्ट ऑफिस रोड निवासी जयदीप उम्र 57 वर्ष बीते 10 फरवरी को स्कूटर से पोस्ट ऑफिस रोड से गुजर रहे थे। तभी स्कूटर स्लिप होने से गिरे और घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए पटेलनगर स्थिति निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान रविवार को हाट अटैक आने से जयदीप का निधन हो गया। सोमवार को शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद परिजनों के सुपुर्द किया गया।

ऑनलाइन मंगवाया था कुट्टू का आटा, 40 से अधिक लोग बीमार

नोएडा ,ग्रेटर नोएडा वेस्ट (ग्रेनो वेस्ट) की इको विलेज–3, रॉयल कोर्ट और हिमालय प्राइड सोसाइटी में महाशिवरात्रि के व्रत के दौरान कुट्टू का आटा खाने के बाद 40 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। अधिकांश लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

निवासियों के अनुसार, रविवार को महाशिवरात्रि का व्रत खोलने के लिए कुट्टू के आटे से बने व्यंजन तैयार किए गए थे। सेवन के कुछ ही देर बाद कई लोगों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, चक्कर और हाथ–पैर सुन्न होने जैसी शिकायतें होने लगीं। इको विलेज–3 सोसाइटी में 30 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

हिमालय प्राइड सोसाइटी में भी 15 से अधिक लोगों के बीमार होने की सूचना है। सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि सभी मरीजों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। एक निवासी ने बताया कि उनके परिवार के छह से सात सदस्य भर्ती हैं, जिनमें दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। लोगों का कहना है कि कुट्टू का आटा पास की एक स्थानीय मार्केट की दुकान से ऑनलाइन मंगवाया गया था। आटा पैकेटबंद नहीं, बल्कि खुला था। आशंका है कि उसी के सेवन से फूड प्वाइजनिंग की स्थिति बनी। मामले की सूचना खाद्य विभाग को दे दी गई है।

गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में त्योहारों के दौरान फूड प्वाइजनिंग की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 : 12वीं के छात्रों के लिए बड़ा अलर्ट!

नंबर सुधारने के नियम में हुआ अहम बदलाव

नई दिल्ली , 18 फरवरी से शुरू होने जा रही केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं से ठीक पहले एक बड़ा फैसला सामने आया है। बोर्ड ने 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री (इंप्रूवमेंट) परीक्षा के नियमों में अहम बदलाव किया है। इस नए नियम के लागू होने से देशभर के लाखों परीक्षार्थी सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। अब 12वीं के छात्रों को अपने अंक सुधारने के लिए पहले जैसी सहूलियत नहीं मिलेगी।

तुरंत सिर्फ एक विषय में नंबर सुधारने का मिलेगा मौका

सीबीएसई की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब 12वीं बोर्ड के परीक्षार्थी रिजल्ट आने के तुरंत बाद केवल एक ही विषय में सप्लीमेंट्री या इंप्रूवमेंट परीक्षा दे सकेंगे। इससे पहले छात्रों को रिजल्ट आने के बाद एक से अधिक विषयों में अंक सुधारने के लिए परीक्षा देने की छूट मिलती थी, जो मुख्य परिणाम घोषित होने के लगभग दो महीने के भीतर आयोजित की जाती थी। लेकिन अब इस नियम को सख्त करते हुए तुरंत अंक सुधारने की यह सुविधा केवल एक विषय तक सीमित कर दी गई है।

एक से अधिक विषयों के लिए देना होगा अगले साल का मेन एग्जाम

अगर कोई छात्र एक से अधिक विषयों में अपने नंबर सुधारना चाहता है, तो उसे अब लंबा इंतजार करना होगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एक से ज्यादा विषयों में इंप्रूवमेंट चाहने वाले छात्रों को अगले साल आयोजित होने वाली मुख्य (मेन) बोर्ड परीक्षा में बैठना होगा। इसका सीधा मतलब यह है कि जो छात्र दो या उससे अधिक विषयों में अपने अंक बढ़ाना चाहते हैं, उन्हें पहले की तरह तुरंत सप्लीमेंट्री परीक्षा देने का विकल्प नहीं मिलेगा।

बंगाल में चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन : 7 अफसर निलंबित

नई दिल्ली , भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लगे सात अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। गंभीर कदाचार के आरोपों के चलते यह कार्रवाई की गई।

आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। निलंबित सभी अधिकारी स्ढ्ढक्र प्रक्रिया में सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। आमतौर पर बूथ स्तर के अधिकारी और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं, जिन्हें मतदाता सूची के अद्यतन और चुनावी कार्यों के लिए आयोग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया जाता है।

आयोग के आदेश के अनुसार, मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया है कि संबंधित अधिकारियों के कैडर नियंत्रक प्राधिकरणों के माध्यम से बिना किसी देरी के विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए। साथ ही, की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध कराई जाए।

एक्शन मोड में सीएम धामी: चौपाल में सुनी समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के आदेश

शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई, लापरवाही पर सख्त चेतावनी

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम आर्यनगर (गाजीवाली), श्यामपुर कांगड़ी में आयोजित ह्लजन–जन की सरकार, जन–जन के द्वारह्व अभियान के अंतर्गत आयोजित मुख्य सेवक की चौपाल कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने जनता के बीच बैठकर सीधे संवाद किया और स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार अब फाइलों में नहीं, मैदान में काम करेगी। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के ग्राम प्रधानों एवं स्थानीय नागरिकों ने अपनी–अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी शिकायत को लंबित रखना स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं पर देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अन्य विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया कि जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव है, उनका निस्तारण मौके पर ही किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्लमुख्य सेवक की चौपालह्व केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही का जीवंत प्रमाण है। सरकार का उद्देश्य है कि आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि राज्य सरकार जनहित के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सरकार का लक्ष्य है। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी और सरकार जनता के साथ खड़ी है – हर समय, हर परिस्थिति में। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा है। उन्होंने स्वयं को जनता से अलग नहीं, बल्कि उनका सेवक बताते हुए कहा कि जनता की संतुष्टि ही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्लमुख्यसेवक की चौपालह्व कोई औपचारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच संवाद का एक जीवंत मंच है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे यहां लोगों की समस्याएं सुनने और उनके समाधान के लिए आए हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार का संकल्प प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सरकार का मूल मंत्र है।

अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका

25 साल की सजा पूरी होने की दलील खारिज, अभी जेल में ही रहेगा

नई दिल्ली ,1993 के खौफनाक मुंबई सीरियल बम धमाकों के दोषी और अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम को देश की सवोच्च अदालत से बहुत बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सलेम की उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें उसने अपनी रिहाई की गुहार लगाई थी। यह अहम फैसला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया है। अदालत के इस सख्त रुख के बाद यह साफ हो गया है कि इस खूंखार गैंगस्टर को अभी जेल की सलाखों के पीछे ही रहना होगा।

वकील की दलील और सुप्रीम कोर्ट का तीखा सवाल

सुनवाई के दौरान अबू सलेम के वकील ने अदालत में यह दलील दी कि उनके मुवक्किल ने जेल में अपनी 25 साल की सजा पूरी कर ली है, इसलिए अब उसे कानूनी तौर पर रिहा कर दिया जाना चाहिए। वकील ने अदालत को बताया कि सलेम को 11 नवंबर 2005 को हिरासत में लिया गया था और इस लिहाज से उसकी सजा की अवधि पूरी हो चुकी है। हालांकि, इस दलील पर सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत कड़ा सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या बचाव पक्ष छूट (रिमिशन) के समय को जोड़कर 25 साल की यह गणना कर रहा है। अदालत ने इन तर्कों को नाकाफी मानते हुए रिहाई की याचिका को नामंजूर कर दिया।

पुर्तगाल के साथ भारत का वह खास प्रत्यर्पण समझौता

अबू सलेम का मामला अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और प्रत्यर्पण संधियों के लिहाज से भी काफी पेचीदा रहा है। साल 2002 में फर्जी पासपोर्ट के एक मामले में पुर्तगाल में सलेम की गिरफ्तारी हुई थी, जिसके बाद भारत ने उसके प्रत्यर्पण की मजबूती से मांग रखी थी। लंबी कानूनी खींचतान के बाद 11 नवंबर 2005 को पुर्तगाल ने सलेम को भारत के हवाले किया था। हालांकि, पुर्तगाल ने प्रत्यर्पण से पहले एक कड़ी शर्त रखी थी कि भारत अबू सलेम को न तो फांसी की सजा देगा और न ही उसे 25 साल से ज्यादा समय तक कैद में रखेगा। चूंकि पुर्तगाल के कानूनों में मौत की सजा का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए भारत सरकार के इस आधिकारिक आश्वासन के बाद ही फरवरी 2004 में पुर्तगाल की अदालत ने उसके प्रत्यर्पण को हरी झंडी दिखाई थी।

फिर सलाखों के पीछे पहुंचा डेरा प्रमुख

रोहतक ,1साध्वी यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में सजा काट रहे गुरमीत सिंह की 40 दिन की पैरोल अवधि समाप्त हो गई है। निर्धारित समय पूरा होने के बाद वह रविवार शाम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुनारियां जेल पहुंच गया। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह को वर्ष 2017 में पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराते हुए 20–20 वर्ष की सजा सुनाई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में भी अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा दी थी। वह तब से रोहतक की सुनारियां जेल में बंद है। पैरोल के दौरान वह निर्धारित शर्तों के तहत सिरसा स्थित डेरे में रहा। पैरोल अवधि पूरी होने पर उसे दोबारा जेल में आत्मसमर्पण करना था, जिसके तहत वह तय समय पर जेल पहुंचा। जेल प्रशासन के अनुसार, पैरोल समाप्त होने के बाद उसकी विधिवत एंट्री की गई और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उसे बैरक में भेज दिया गया। गुरमीत सिंह को पूर्व में भी अलग–अलग अवधियों के लिए फरलो और पैरोल मिल चुकी है।

पीएम मोदी का बड़ा बयान : रिफॉर्म एक्सप्रेस की रफ्तार से नहीं हूं संतुष्ट

प्राइवेट सेक्टर को दी मुनाफे से आगे सोचने की नसीहत

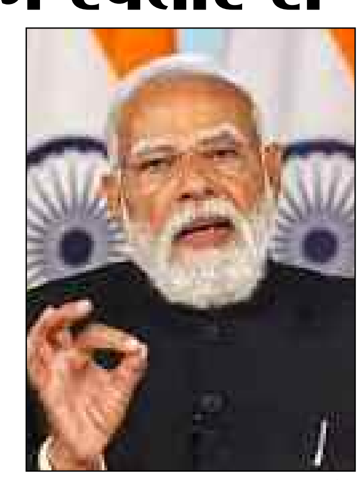

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में संपन्न हुए बजट सत्र के पहले चरण के बाद अपना पहला अहम इंटरव्यू दिया है। पीएम ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ने सुधारों (रिफॉर्म) को लेकर जो वादे किए थे, उन्हें अपने काम के जरिए जमीन पर उतार कर दिखाया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि 'रिफॉर्म एक्सप्रेसझ् ने भले ही बड़े स्तर पर प्रगति की है, लेकिन उनका स्वभाव इतनी जल्दी पूरी तरह संतुष्ट होने वाला नहीं है। भारत की विकास यात्रा में निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर) को एक अहम भागीदार बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का अगला चरण इस बात पर काफी हद तक निर्भर करेगा कि निजी क्षेत्र नवाचार (इनोवेशन), लंबी अवधि की क्षमता निर्माण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कितने साहस के साथ निवेश करता है। आर्थिक बदलाव के अगले चरण में निजी क्षेत्र की निर्णायक भूमिका पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कॉर्पोरेट जगत से एक मजबूत प्रतिक्रिया की उम्मीद जताई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में सलाह दी है कि निजी क्षेत्र को केवल अपना मुनाफा सुरक्षित करने के इर्द–गिर्द नहीं सिमटना चाहिए। इसके बजाय उन्हें रिसर्च एंड डेवलपमेंट (ऋ&ष्ठ), सप्लाई चेन और अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने में आक्रामक रूप से निवेश करना चाहिए। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने एक बेहद महत्वपूर्ण बात यह भी कही कि जैसे–जैसे कंपनियों की उत्पादकता और मुनाफा बढ़ता है, निजी क्षेत्र के मालिकों को उस लाभ का एक उचित हिस्सा अपने श्रमिकों के साथ भी ईमानदारी से साझा करना चाहिए। तकनीक और भविष्य की चुनौतियों पर बात करते हुए पीएम मोदी ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा सेंटर्स के विस्तार को लेकर सरकार का विजन सामने रखा। उन्होंने कहा कि भारत अपनी कंप्यूटिंग पावर और डेटा सेंटर के बुनियादी ढांचे का लगातार विस्तार कर रहा है, जिससे देश में एक समृद्ध और मजबूत एआई इकोसिस्टम की नींव तैयार हो रही है। पीएम का मानना है कि आने वाले समय में ये डेटा सेंटर्स हमारे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने वाले साबित होंगे। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए उन्होंने पूरी दुनिया को अपना डेटा भारत में सुरक्षित रखने के लिए आमंत्रित किया है। इसके अलावा, यूपीआई जैसी प्रणालियों का जिक्रकरते हुए उन्होंने कहा कि लेन–देन के तरीके में आए इन मौलिक सुधारों ने भारत को वैश्विक स्तर पर एक डिजिटल लीडर के रूप में स्थापित कर दिया है।

मोदी सरकार में डिजिटल इंडिया गरीबों को सस्ता अनाज देने के क्षेत्र में पदार्पण कर रहा : अमित शाह

गांधीनगर , केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीनगर में देश का फर्स्ट सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी)–बेस्ड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) लॉन्च करते हुए कहा कि दुनिया के कुल डिजिटल ट्रांजेक्शन में आधे से ज्यादा हिस्सा भारत का है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि डिजिटल इंडिया शब्द का मैं जब प्रयोग करता हूं और 11 साल पहले मुड़कर देखते हैं तो कल्पना नहीं कर सकते कि 60 करोड़ लोग ऐसे थे, जिनके परिवार में बैंक अकाउंट नहीं था। आज यही 11 साल बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया के आधे डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हो रहे हैं। मतलब दुनिया में 2 डिजिटल ट्रांजेक्शन होते हैं तो एक भारत में होता है। आज वही डिजिटल इंडिया गरीबों को सस्ता अनाज देने के क्षेत्र में पदार्पण कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से डीबीटी ने देश में 15 लाख करोड़ से ज्यादा घपले–घोटालों को समाप्त कर दिया, उसी तरह से खाद्य आपूर्ति मंत्रालय का यह कदम ट्रांसपेरेंट डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम सुनिश्चित करेगा और पीएम मोदी के मंत्र मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस को जमीन पर उतारेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि 11 साल पहले का समय मुझे याद है। सबसे पहले भ्रष्टाचार की शुरुआत अनाज को तौलने में होती थी। उसके वेट करने वाले स्केल को डिजिटल किया गया। राशन कार्ड फर्जी होते थे, लेकिन अब ई–राशन कार्ड ला दिया गया, फिर वन नेशन, वन राशन कार्डझ् आया और अब यह जो सिस्टम शुरू हुआ है, इससे और पारदर्शिता होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल इंडिया के माध्यम से ढेर सारी पारदर्शिता गांवों तक पहुंचाई। कांग्रेस की सरकार में 500 गांवों तक ही कनेक्टिविटी पहुंची थी, लेकिन आज 1 लाख 7 हजार गांवों में कनेक्टिविटी पहुंची है। पीएम मोदी के उस उद्गार को, जब उन्होंने 2014 में कहा था कि मेरी सरकार गरीबों की, दलितों की, पिछड़ों की, आदिवासियों की सरकार है और मेरी सरकार में पहला अधिकार इनका है, उस समय हम भावुक होकर देख रहे थे। उन्होंने कहा कि आज वही चीज मुस्कराकर देखते हैं कि 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो मिल रहा है।

केमिकल फैक्ट्री में लगी आग 7 लोग जिंदा जले

भिवाड़ी ,राजस्थान के भिवाड़ी में आज सुबह एक बहुत दर्दनाक घटना घट गई, जहां भिवाड़ी की एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने से 7 लोग जिंदा जल गए। जानकारी के मुताबिक मृतकों के शवों को निकाल लिया गया है। वहीं बताया जा रहा है कि कुछ मजदूर अभी भी फैक्टरी में फंसे हुए हैं। कुछ चश्मदीदों के मुताबिक घटना के समय करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। हादसा खुशखेड़ा करौली इंडस्ट्रियल एरिया में हुआ है। इसी दौरान पुलिस की एक टीम गश्त कर रही थी, तभी टीम को घटना का पता चला और रेस्क्यू शुरू किया गया। आग की लपटें देखकर कुछ मजदूर सुरक्षित बाहर निकल आए। खुशखेड़ा फायर स्टेशन और भिवाड़ी रीको स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मौके पर तिजारा डीएसपी शिवराज सिंह मौजूद हैं और उन्होंने जांच शुरू कर दी है।

बर्तन की दुकान में सिलेंडर फटने से लगी आग, दुकानदार घायल

ऋषिकेश। चंद्रेश्वरनगर में सोमवार सुबह एक बर्तन की दुकान में अचानक धमाके साथ गैस सिलेंडर फट गया। जिससे लगी आग की चपेट में दुकानदार भी आ गया। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर दुकानदार को जख्मी हालत में सरकारी अस्पताल पहुंचाया। एसडीआरएफ के जवानों के साथ आसपास के लोग आग बुझाने में जुटे थे कि फायर बिग्रेड भी मौके पर पहुंची, जिसके बाद बामुश्किल आग पर काबू पाया गया। पुलिस के मुताबिक यह घटना सोमवार सुबह करीब सात बजे की है। चंद्रेश्वरनगर में कमलेश चौहान, निवासी चंद्रभागा की बर्तन की दुकान है। उन्होंने दुकान खोली ही थी कि अचानक दुकान में रखे पांच किलोग्राम के गैस सिलेंडर में आग लग गई, जिसके बाद वह तेज धमाके साथ फट गया। हादसा होते हुए आसपास लोगों में अफरा–तफरी फैल गई। सूचना एसडीआरएफ की मिली, तो तत्काल टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने कमलेश को बामुश्किल रेस्क्यू कर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। एएसआई मनोज रावत ने बताया कि कमलेश को हल्की चोटें आई हैं। फिलहाल यह हादसा कैसे हुए, इसकी जांच की जा रही है। मालूम हो कि, इस घटना के दौरान चंद्रेश्वरनगर में आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में हड़कंप का माहौल भी दिखा।

चारधाम यात्रा की तैयारियों में जुटा स्वास्थ्य विभाग, शासन से मांगा 80 लाख का बजट

चमोली। चमोली का स्वास्थ्य महकमा चारधाम यात्रा की तैयारियों में जुट गया है। अस्पताल में दवाइयों के भंडारण के साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टर की तैनाती के लिए मुख्य चिकित्याधिकारी की ओर से निदेशालय को डिमांड भेज दी गई है। अस्पतालों में ऑक्सीजन सिलिंडर के साथ ही उपकरण व दवाइयों के लिए करीब 80 लाख रुपये के बजट की मांग की गई है। वहीं, अप्रैल से मार्ग के अस्पतालों में चिकित्सकों को रोटेशन के आधार पर ड्यूटी आवंटित की जाएगी। चारधाम यात्रा के दौरान स्वास्थ्य विभाग पर अधिक जिम्मेदारी रहती है। तीर्थयात्री विभिन्न जांचों के लिए भी सरकारी अस्पतालों में पहुंचते हैं। बदरीनाथ, पांडुकेश्वर, ज्योतिर्मठ, पीपलकोटी, नंदप्रयाग, कर्णप्रयाग और गौचर के सरकारी अस्पतालों में यात्रा के दौरान ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। चमोली के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि अस्पतालों में फिजिशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, चिकित्साधिकारी, महिला चिकित्साधिकारी, एक्सरे व ईसीजी टेक्नीशियन और चालक के पदों पर तैनाती की डिमांड निदेशालय को भेज दी गई है। बदरीनाथ और ज्योतिर्मठ के सीएचसी में फिजिशियन की तैनाती की जाएगी। डॉक्टर की तैनाती रोस्टर के हिसाब से की जाएगी।

स्कूटी सवार पर झपटा गुलदार, भागकर बचाई जान

बागेश्वर। बाजार से घर को लौट रहे एक स्कूटी सवार युवक पर गुलदार ने झपट मारा। स्कूटी सवार ने बमुश्किल भागकर जान बचाई। इससे क्षेत्र में दहशत है। लोगों ने वन विभाग से गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। ग्रामीण क्षेत्रों के बाद अब नगर क्षेत्र में भी गुलदार का आतंक बढ़ गया है। आए दिन गुलदार नगर पंचायत क्षेत्र के कई स्थानों पर दिख रहा है।

रवि सिंह बाजार से अपने घर लौट रहे थे, तभी गैस गोदाम वाली सड़क पर गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बमुश्किल स्कूटी भगाकर अपनी जान बचाई। इस घटना से नगर क्षेत्र में दहशत है। टीटबाजार क्षेत्र में गुलदार का आतंक बढ़ गया है। शाम होते ही व्यापारी अपनी दुकानें बंद कर दे रहे हैं और लोग घरों में दुबक जा रहे हैं।

भुवनेश्वर ब्लास्ट का खौफनाक सीसीटीवी फुटेज आया सामने

भुवनेश्वर , ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के सुंदरपदा इलाके में हुए भीषण बम विस्फोट मामले में एक चौंकाने वाला अपडेट सामने आया है। 27 जनवरी की शाम को हुए इस खौफनाक धमाके का अब एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें विस्फोट की भयानकता को साफ तौर पर देखा जा सकता है। फुटेज के अनुसार, धमाका इतना शक्तिशाली था कि पूरे इलाके में तेज झटके महसूस किए गए और दहशत में आए लोग अपने घरों से बाहर भागने लगे।

छत पर बन रहा था मौत का सामान, धमाके में झुलसे थे चार लोग

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह धमाका एक मकान की छत पर अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री बनाते समय हुआ था। इस अचानक हुए विस्फोट की चपेट में आकर कुल चार लोग बुरी तरह से झुलस गए थे। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को पास के कैपिटल अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

कुख्यात अपराधी शाहनवाज और उसकी मां ने तोड़ा दम

जिस मकान में यह धमाका हुआ, वह कुख्यात अपराधी शाहनवाज उर्फ मफ्फी का था। धमाके वाले दिन मौके पर पहुंचे डीसीपी जगमोहन मीणा ने स्पष्ट किया था कि शाहनवाज का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और परिस्थितियां बता रही हैं कि यह धमाका किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने के लिए बम बनाने के दौरान हुआ। अस्पताल में इलाज के दौरान 4 फरवरी को मुख्य आरोपी शाहनवाज की मौत हो गई, जबकि 10 फरवरी को उसकी मां ने भी दम तोड़ दिया।

सम्पादकीय

नए दल का उदय

देश में यूजीसी कानून बनाए जाने के बाद एक नई बहस चढ़ गई है। इस कानून में अनुसूचित जाति जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग को ऐसे अधिकार प्रदान किए गए थे जो सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए बेहद हानिकारक और उनका भविष्य बर्बाद करने वाले साबित हो सकते थे। यूजीसी द्वारा बनाए गए इस कानून के बाद पूरे देश का स्वर्ण समाज एकजुट होकर इसके विरोध में उतरा तो सुप्रीम कोर्ट को इसमें दखल देते हुए कानून को रोक दिया गया। हालांकि सरकार ने अभी इस पूरी तरह से वापस नहीं लिया है लिहाजा स्वर्ण समाज अभी भी भविष्य के खतरों को लेकर आशंकित है। इस कानून ने हिंदू समाज को भी दो भागों में बांट दिया है जिसमें एक तरफ सामान्य जाति के लोग हैं तो दूसरी तरफ आरक्षण का लाभ लेने वाले। इन परिस्थितियों के कारण अब देश में एक नई पार्टी का उदय होने की घोषणा हो चुकी है जिसे "स्वर्ण समाज पार्टी" के नाम से फिलहाल जाना जा रहा है। निश्चित तौर पर यह देश के बड़े दलों के लिए एक खतरे की घंटी हो सकती है लेकिन अभी इस दिशा में पार्टी बनाने वालों को लंबी तैयारी करनी होगी। खास तौर से ऐसी परिस्थितियों में जब सनातन एवं हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर एक दल पहले से ही धर्म का प्रोपेगंडा चल रहा हो। सोशल मीडिया पर स्वर्ण समाज का यह नया दल सक्रिय हो गया है और बड़े दलों के लिए चिंता की बात यह है कि इस दल से जोड़ने के लिए बड़ी संख्या में लोग सामने भी आने लगे हैं। उधर यूजीसी कानून को लेकर भाजपा एवं कांग्रेस के स्वर्ण नेताओं की चुप्पी ने भी स्वर्ण समाज के लोगों को बेहद हैरान किया है लेकिन यह उन नेताओं की मजबूरी है कि वह चाहते हुए भी अपने ही लोगों का साथ देने में खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। यह तो तय है कि आने वाले समय में भाजपा एवं कांग्रेस को इस कानून को लेकर बनाई गई चुप्पी का खामियाजा भुगतना पड़ेगा लेकिन यहां इन दोनों दलों की एक राजनीतिक विवशता है कि वह एससी एसटी ओबीसी वर्ग को नाराज नहीं कर सकते। परिस्थितियां बेहद विकट बन गई है और इन परिस्थितियों में यदि नवगठित "स्वर्ण समाज पार्टी" सक्रिय होती है तो एक बड़ा वोट बैंक भाजपा और कांग्रेस के हाथ से खिसक सकता है। यूजीसी कानून पर भले ही भाजपा के स्वर्ण नेताओं ने लंबी लंबी चुप्पी साध रखी हो लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस पर रोक लगाए जाने के बाद अब वे इसका श्रेय लेने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि देशभर में विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट को इस कानून पर रोक लगानी पड़ी क्योंकि इससे समाज में न केवल धार्मिक विवाद बनने लगा था बल्कि दो वर्गों के बीच मनमुटाव भी नजर आने लगा था। जब पहले से ही एक खास वर्ग को सरकार की ओर से तमाम ऐसे अधिकार दिए गए हैं जिनके दुरुपयोग की तमाम घटनाएं सामने आ चुकी है तो ऐसी परिस्थितियों में शैक्षिक संस्थानों में एक नए कानून को लाना सरकार की विभाजन करने वाली नीति की ओर ही इशारा करता है। एक तरफ तो अच्छे अंक लाने के बावजूद भी काबिल छात्र अवसरों से वंचित हो रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर अब कॉलेज स्तर पर ही सामान्य वर्ग के छात्रों का भविष्य बर्बाद करने की पूरी रूपरेखा सरकार ने तैयार कर ली है।

नई परतों की नई सुर्खियों में ट्रंप बैचेन

अमेरिकी मीडिया में यह बहस चली हुई है कि फ़ाइलों के सार्वजनिक किए जाने के बावजूद कितने लाख कागज़, फ़ोटो, वीडियो न्यायिक विभाग ने दबाए हुए हैं? कितनी सच्चाई और गवाही सामने आई है और कितनी छिपी हुई है? ईमेल दस्तावेज़ों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम बार–बार है। इन्हें ट्रंप ने डेमोक्रेट नेताओं की साज़िश कहकर ख़ारिज किया है। ताज़ा दस्तावेज़ों के हाई–प्रोफ़ाइल व्यक्तियों में बिल गेट्स, ट्रंप के वाणिज्य मंत्री, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन–विंडसर, इलॉन मस्क आदि कई नाम हैं। निश्चित ही ज़िक्रसे यह निष्कर्ष नहीं निकलता है कि ये सभी एक ही थैली के चट्टे–बट्टे थे, मगर यह भी तथ्य है कि भंडाफोड़ होने के ख़तरे के चलते ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन–विंडसर ने पहले ही पदवी छोड़ दी। एपस्टीन द्वारा प्रिंस को भेजी गई यौन शोषण की शिकार महिला ने कहा है कि उन्हें पूर्व प्रिंस के साथ सेक्स के लिए ब्रिटेन भेजा गया था। इस महिला के वकील ने एपस्टीन के वैश्विक नेटवर्क की शिकार दो सौ से ज़्यादा यौन पीड़िताओं के मामले देख रहे हैं। उन्होंने वर्जीनिया जियुफ़्रे का भी केस लड़ा, जिसका आरोप था कि सन् 2001 में, जब वह 17 साल की थीं, तब उन्हें लंदन लाया गया ताकि वह पूर्व प्रिंस की भूख पूरी कर सकें।

हरिशंकर व्यास

चाहे तो इसे पतनगामी पूंजीवाद का मकड़जाल कहें या अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष का कालजयी सत्व–तत्व! मनुष्य आदिकाल से पैसे (पॉवर, अर्थ) और सेक्स (काम–भोग) की वासना में जन्म–जन्मांतर चक्रमें खपा चला आ रहा है। इसी से धर्म व मोक्ष के फलसफ़े गढ़े। बावजूद इसके ताजा सुर्खियां चौंकाने वाली है। पहली बार सेक्स–पॉवर की धुरी का वैश्विक तानाबाना खुला है। आज जेफ़री एपस्टीन दुनिया का नंबर एक चर्चित चेहरा है। पहली बार अदालती दस्तावेज़ों से सत्ता, पूंजी और यौन–शोषण का इतना गहरा और पसरा नेटवर्क उभरा है।

एपस्टीन सिर्फ फ़ाइनेंसर, यौन अपराधी और मानव तस्कर नहीं था। वह उस नेटवर्क का रचयिता था, जो राष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री, राजकुमार, खरबपति और वैश्विक प्रभावशाली कुलीनों, एलिट की भूख का सप्लायर था। वह संपर्कों, यात्राओं और संवादों से वह सब करता हुआ था जो आमतौर पर देशों की राजधानियों में सिमटे सत्ता–दलालों का पैमाना रहा है। पहली बार मालूम हुआ कि अमेरिका यदि दुनिया को नचाता है तो अमेरिकी दलाल भी दुनिया को नचाते हैं। इनकी वह वैश्विक, बहुराष्ट्रीय मंडी है, जिससे तमाम देशों के नेताओं की भूख पूरी होती है। और यह महज़ अफ़वाह या खोजी पत्रकारिता की सनसनी नहीं है, बल्कि अदालतों और जांच एजेंसियों के दस्तावेज़ों से उद्घाटित है।सो, एपस्टीन केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि उस व्यवस्था, उस भूख का प्रतीक है, जिसमें पैसा, प्रभाव और वासना एक–दूसरे को पोषित करते हैं। एपस्टीन इस तंत्र का केंद्रीय संचालक था। और वह अपराधी भी करार हुआ। जेल में ही उसने आत्महत्या की।

शुक्रवार को अमेरिका के न्यायिक विभाग ने 35 लाख से अधिक पेज और हजारों फ़ोटो और वीडियो सार्वजनिक किए। सब जेफ़री एपस्टीन और उसकी सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल के सेक्स–रैकेट नेटवर्क की जांच से जुड़े हैं। इन दस्तावेज़ों में इलेक्ट्रॉनिक संदेश, फ़्लाइट लॉग, बैंक रिकॉर्ड आदि शामिल हैं। और उसके कारण अमेरिका में सर्वाधिक फ़ोकस में राष्ट्रपति ट्रंप लगातार हैं। उनके एपस्टीन के साथ रिश्तों का तानाबाना और खुला है।

शायद इसी कारण अमेरिकी न्याय विभाग ने सभी दस्तावेज़ जारी नहीं किए। उसने खुद बताया है कि और भी दस्तावेज़ फ़ाइलों में हैं, मगर उन्हें जारी नहीं किया जाएगा। यदि अमेरिका की संसद अपने कानूनी अधिकारों से जस्टिस विभाग को मजबूर नहीं करती, तो शुक्रवार के दस्तावेज़ भी सार्वजनिक नहीं होते। इसलिए आगे ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ेंगी। जस्टिस विभाग ने ट्रंप या उन जैसी वैश्विक हस्तियों को बचाने के लिए दस्तावेज़ों के महत्वपूर्ण अंश, जैसे गवाहों के बयानों पर काली स्याही पोतकर उन्हें पब्लिक से ओझल किया।

मतलब नाबालिग या कम उम्र की यौन पीड़िता ने गवाही में अपना जो बयान दर्ज कराया, उसके पूरे पेज को काली स्याही से पोत दिया। इस तरह स्याही से नाम, गवाही सब मिटा दिए गए। मतलब नेटवर्क के उजागर हुए कोई बीस–पच्चीस दलालों, सप्लायरों में किसने क्या किया और यौन–शोषण की शिकार महिलाओं ने क्या बयान दिए, सब काली स्याही में छुपाकर जस्टिस विभाग ने दस्तावेज़ जारी किए हैं।

सो, अमेरिकी कांग्रेस और खासकर डेमोक्रेट सांसदों ने न्यायिक विभाग पर आरोप लगाया है कि पहले तो उसने कानूनी समयसीमा की पालना नहीं की। फिर फ़ाइलों को पूरी और बिना काले अक्षरों के रूप में जारी नहीं किया, ताकि पावरफुल लोगों की पहचान दबी रहे। उस नाते कह सकते हैं कि कहानी तो अभी शुरू हुई है।अमेरिकी मीडिया में यह बहस चली हुई है कि फ़ाइलों के सार्वजनिक किए जाने के बावजूद कितने लाख कागज़, फ़ोटो, वीडियो न्यायिक विभाग ने दबाए हुए हैं? कितनी सच्चाई और गवाही सामने आई है और कितनी छिपी हुई है?

ईमेल दस्तावेज़ों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम बार–बार है। इन्हें ट्रंप ने डेमोक्रेट नेताओं की साज़िश कहकर ख़ारिज किया है। ताज़ा दस्तावेज़ों के हाई–प्रोफ़ाइल व्यक्तियों में बिल गेट्स, ट्रंप के वाणिज्य मंत्री, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन–विंडसर, इलॉन मस्क आदि कई नाम हैं।

निश्चित ही ज़िक्र से यह निष्कर्ष नहीं निकलता है कि ये सभी एक ही थैली के चट्टे–बट्टे थे, मगर यह भी तथ्य है कि भंडाफोड़ होने के ख़तरे के चलते ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन–विंडसर ने पहले ही पदवी छोड़ दी। एपस्टीन द्वारा प्रिंस को भेजी गई यौन शोषण की शिकार महिला ने कहा है कि उन्हें पूर्व प्रिंस के साथ सेक्स के लिए ब्रिटेन भेजा गया था। इस महिला के वकील ने एपस्टीन के वैश्विक नेटवर्क की शिकार दो सौ से ज़्यादा यौन पीड़िताओं के मामले देख रहे हैं। उन्होंने वर्जीनिया जियुफ़्रे का भी केस लड़ा, जिसका आरोप था कि सन् 2001 में, जब वह 17 साल की थीं, तब उन्हें लंदन लाया गया ताकि वह पूर्व प्रिंस की भूख पूरी कर सकें।जेफ़री एपस्टीन को सबसे पहले 2008 में फ़्लोरिडा में 14 साल की लड़की से सेक्स के लिए उकसाने के मामले में दोषी ठहराया गया था। उसने अपनी सज़ा जुलाई 2010 में पूरी की। बीबीसी के अनुसार, एपस्टीन ने तब कई महिलाओं को व्यावसायिक उड़ानों और अपने निजी जेट्स के ज़रिए ब्रिटेन पहुंचाया था।सो, जेफ़री एपस्टीन का कारनामा, वैश्विक नेटवर्क का ही नहीं है। इस कहानी के और भी पहलू है। अमेरिकी मीडिया में कहा जा रहा है कि इज़राइल की ख़ुफ़िया एजेंसी मोसाद की बदौलत एपस्टीन का साम्राज्य बना। अमेरिका में यहूदी ताक़त का वह एक प्रतिनिधि चेहरा था। इसलिए पश्चिम एशिया की क्षेत्रीय राजनीति, ईरान बनाम सऊदी अरब की भू–राजनीति से लेकर मालदीव के राष्ट्रपति द्वारा चुनाव के लिए एपस्टीन से गुहार, आदि के ऐसे असंख्य क़िस्से हैं, जिससे मालूम होता है कि दुनिया वैसे ही चलती हुई है जैसे भारत में लुटियन दिल्ली के नेटवर्क रहे है।

बावजूद एपस्टीन ने सालों तक जितना बड़ा यौन तस्करी नेटवर्क चलाया है तथा वह देशों/शक्तिशाली व्यक्तियों से लगातार जुड़ा रहा, वह भूमंडलीकृत दुनिया से विकसित अजूबा था। ख़ासकर इसलिए कि वैश्विक मीडिया की सक्रियता के बावजूद कभी किसी को भनक नहीं लगी। एपस्टीन मूलतः पूंजीपति फ़ाइनेंसर था। वित्तीय करियर में उसने अमीर, शक्तिशाली और प्रसिद्ध लोगों के साथ सेक्स के ज़रिए वैश्विक सामाजिक नेटवर्क बनाया। 2008 में उसे कम उम्र की लड़कियों के साथ यौन गतिविधि के लिए अदालत ने दोषी ठहराया था। बावजूद इसके वह रूका, थमा नहीं। जेल से छूटने के बाद उसने रुतबा बनाया। 2019 में वह फ़ेडरल नाबालिग यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार हुआ। अदालत फ़ैसला सुनाने ही वाली थी कि उसने 2019 में जेल में आत्महत्या की।

कैसा अजब मामला है जो अमेरिका की व्यवस्था यानी अदालत, संसद, मीडिया आदि से इस वैश्विक नेटवर्क की परतें तब खुलती हुई हैं, जब ट्रंप का पहला कार्यकाल था; या अब दूसरा कार्यकाल है। मेरा मानना है कि नई परतों की नई सुर्खियों ने ट्रंप को बैचेन तो किया होगा। तभी जिस दिन न्यायिक विभाग ने दस्तावेज़ सार्वजनिक किए, उसी दिन ध्यान बंटाने के लिए अमेरिकी पत्रकारिता का एक जाना–माना पत्रकार एक बेहूदा मामले में गिरफ्तार हुआ। सो, संभव है कि राष्ट्रपति ट्रंप नई सुर्खियों के लिए अचानक ईरान पर निशाना साधकर अपने सूरमा होने की नई सुर्खी बनाने की कोशिश करें।

ममता बनर्जी के वकील की भूमिका

एसआईआर गंभीर विसंगतियों से ग्रस्त रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से खामियां दूर करने में कई बार मदद मिली, लेकिन बुनियादी मुद्दे हल नहीं हुए। ममता बनर्जी के वकील की भूमिका अपनाने से भी ऐसा होने की संभावना कम ही है।

ममता बनर्जी इस मामले में अनूठी राजनेता हैं कि सत्ता के ऊंचे पदों पर रहने के बावजूद उन्होंने अपनी जूझारू भूमिका कभी नहीं छोड़ी। 15 साल से मुख्यमंत्री हैं, लेकिन इस दौरान उनकी गतिविधियों ने कोलकाता की सड़कों को कभी सियासी तौर पर सूना नहीं होने दिया। इस बीच बुधवार को उन्होंने नया चोला पहना। युवावस्था में ली गई कानून की डिग्री का उपयोग करते हुए वे सुप्रीम कोर्ट में बतौर वकील पेश हुईं। इस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ अपनी लड़ाई को उन्होंने नया मुकाम दिया।

इसके पहले पश्चिम बंगाल के उन जीवित मतदाताओं को लेकर वे निर्वाचन आयोग के दफ्तर गई थीं, जिनके नाम कथित तौर पर गलत ढंग से मतदाता सूची से हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का आरोप है कि निर्वाचन आयोग में उनसे बदसलूकी की गई, इसलिए आनन– फानन में उन्हें वहां से निकलना पड़ा। तो सुप्रीम कोर्ट में अपने खास अंदाज में उन्होंने इस केस की पैरवी की। समाधान क्या निकलेगा, कहना कठिन है। एसआईआर की प्रक्रिया गंभीर विसंगतियों से ग्रस्त रही है। इस कारण भारत की चुनाव व्यवस्था को लेकर अविश्वास बढ़ा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से प्रक्रियागत खामियां दूर करने में कई बार मदद मिली, लेकिन इससे बुनियादी मुद्दे हल नहीं हुए।

ममता बनर्जी के वकील की भूमिका अपनाने से इस सूरत में आमूल बदलाव होगा, इसकी संभावना कम ही है। लेकिन अंत तक और हर मोर्चे पर संघर्ष करने के ममता के इरादे ने यह जरूर दिखाया है कि लोकतंत्र के सिकुड़ने का रोना रोने वाले विपक्षी राजनेता ऐसी परिस्थितियों में अपना दायित्व कैसे निभा सकते हैं। लोकतंत्र में किसी समस्या को मुद्दा बना देने और उसे लगातार मुद्दा बनाए रखने का अपना महत्त्व होता है। ऐसा हर उपलब्ध मंच और माध्यम का इस्तेमाल करते हुए ही किया जा सकता है। ममता बनर्जी ने एक समय अपराजेय दिखने वाला लेफ्ट फ्रंट का किला इसी अंदाज से ध्वस्त किया था। अब उसी ढंग से वे अपना किले को बचाने की जद्दोजहद में हैं। यह अंदाज अहम है। इसका महत्त्व चुनावी सफलता या विफलता से तय नहीं होगा।

सेल बड़ी छलांग की ओर

भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक इस्पात कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), भविष्य के लिए एक नई और मजबूत योजना पर काम कर रही है। कंपनी का मुख्य उद्देश्य अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारना और बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। सेल का सबसे बड़ा लक्ष्य अपने ऋण को कम करना है। इससे कंपनी के पास भविष्य के बड़े निवेशों के लिए ज्यादा पैसा और आजादी होगी। कंपनी अपनी उत्पादन लागत को कम करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने पर ध्यान दे रही है ताकि मुनाफा बढ़ाया जा सके। सेल अपनी पहुंच बढ़ा रही है ताकि देश में स्टील की बढ़ती मांग का फायदा उठाया जा सके। कंपनी ने अपनी इस तरक्की को मापने के लिए एक लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2024–25 में जहां बिक्री 179 लाख टन रही, वहीं वित्त वर्ष 2025–26 में इसे बढ़ाकर के लिए 200 लाख टन का लक्ष्य तय किया गया है।

वित्तीय सूझबुझ और दूरदर्शिता की यह गूंज वित्त वर्ष 2025–26 की तीसरी तिमाही के दौरान की अर्निंग्स कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान भी सुनाई दी, जहां निदेशक (वित्त) एवं निदेशक वाणिज्य का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डॉ. ए.के. पंडा ने कंपनी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि ऋण में कटौती काफी महत्वपूर्ण रही है, जिसमें अप्रैल–दिसंबर 2025 की नौ महीने की अवधि के दौरान ?5,000 करोड़ का ऋण चुकता किया गया है।

पिछले साल 31 दिसंबर, 2025 तक ऋण ?24,852 करोड़ था, जिसके बाद जनवरी 2026 में ?2,000 करोड़ की और कमी आई। इस अनुशासित ऋण कटौती ने वित्त लागत को कम किया है और विकास निवेशों के लिए अवसर पैदा किए हैं। डॉ. पंडा ने बताया, परिचालन दक्षता, इन्वेंट्री लिक्विडेशन, लागत अनुकूलन और मजबूत ट्रेजरी प्रबंधन इत्यादि ने मिलकर बेहतर वित्तीय प्रबंधन को संभव बनाया है।

कंपनी की रणनीति ने पहले ही परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है। कंपनी की सक्रिय मार्केटिंग पहलों और खुदरा एवं नए ग्राहक समूहों के साथ गहरे जुड़ाव के कारण वित्त वर्ष 2025–26 की नौ महीने की अवधि (अप्रैल25 – दिसंबर25) में बिक्री की मात्रा में 16.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस प्रयास ने अप्रैल 25 – जनवरी 26 के बीच कुल बिक्री को 16.6 मिलियन टन तक पहुँचा दिया, साथ ही महत्वपूर्ण इन्वेंट्री परिसमापन को भी सक्षम बनाया।

सेल ने इन–प्रोसेस और तैयार स्टील स्टॉक दोनों को कम करके, सेल ने नकदी प्रवाह को बढ़ाया है और कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को कम किया, जिससे कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत हुई।

कंपनी लागत कम करने के लिए ऑपरेशनल लिवर्स को भी तेज किया जा रहा है। सालाना मैनपावर में कमी से प्रति टन कार्मिक लागत दक्षता में लगातार सुधार हो रहा है। इसके साथ ही, सेल अनुपालन की जरूरतों के साथ–साथ लागत कम करने के लिए भी अधिक नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे ऊर्जा व्यय में संरचनात्मक बचत हो रही है। ये उपाय प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करते हुए कंपनी के व्यापक स्थिरता एजेंडे के साथ मेल खाते हैं।

कंपनी के भविष्य के विज़न पर सेल के निदेशक (वित्त) एवं निदेशक वाणिज्य का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डॉ. ए.के. पंडा ने कहाः कंपनी कर्ज कम करके, इन्वेंट्री की अधिक कुशलता से प्रबंधन करके और केंद्रित मार्केटिंग पहलों के मध्यम से अपनी पहुंच का विस्तार करके, विस्तारीकरण की तैयारी के साथ–साथ अपनी नींव को मजबूत कर रहा है। बढ़ती मांग, एक मजबूत कैपेक्स पाइपलाइन और स्थिरता व ग्रीन स्टील के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता के साथ, हम वित्त वर्ष 2025–26 में लगभग 200 लाख टन की बिक्री हासिल करने और आने वाले वर्षों में और भी ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के प्रति आश्वस्त हैं – जो आज की ताकत को कल के अवसर में बदल देगा।

तापसी पन्नू की फिल्म अस्सी का नया गाना मन हवा रिलीज

अभिनेत्री तापसी पन्नू की आगामी फिल्म अस्सी जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह एक कोर्ट ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। फिल्म के निर्माताओं ने नया गाना मन हवा रिलीज कर दिया। यह गाना दिल को छूने वाला और जोश भरने वाला है, जो फिल्म की तेज–तर्रार जांच और कोर्ट ड्रामा की भावना को बखूबी से पेश करता है। फिल्म में मुश्किल सवाल उठाने की हिम्मत और सच के लिए लड़ने की ताकत को यह गाना अच्छे से बयां करता है। सॉन्ग मन हवा को मोहित चौहान, परंपरा टंडन और रोचक कोहली ने मिलकर गाया है और रोचक कोहली ने इसका संगीत तैयार किया है। यह गाना डर के बजाय हिम्मत, चुप्पी के बजाय सच और समझौते के बजाय पक्के इरादे को चुनने की बात करता है। यह धीरे–धीरे दिल को सुकून देता है और अंदर से ताकत जगाता है, ताकि मुश्किल हालात में भी खुद के लिए और अपने विश्वास के लिए लड़ सको। गाने को लेकर मोहिक चौहान ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, मुझे ऐसे गाने पसंद हैं जो कोई कहानी सुनाते हैं और कुछ कहने की ताकत रखते हैं। गाना मन हव शुरू से ही मुझे ईमानदार लगा और इसे रिकॉर्ड करते समय, मैंने गाने को फील किया और कहानी को खुल के जीने दिया। थप्पड़ और मुल्क जैसी फिल्में देने के बाद एक बार फिर अनुभव सिन्हा ने कोर्ट ड्रामा फिल्म अस्सी का निर्देशन किया है। गाने को लेकर अनुभव का कहना है कि यह गाना इस फिल्म की भावनात्मक धड़कन है।

भारतीय टीम ने टी–20 विश्व कप इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया

कोलंबो,भारतीय क्रिकेट टीम ने टी–20 विश्व कप 2026 के 27वें मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों के बाद 175/7 का स्कोर बनाया। भारत से ईशान किशन ने सर्वाधिक 77 रन की पारी खेली। उनके अलावा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन की पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से सैम अयूब सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 25 रन देते हुए 3 विकेट लिए। किशन ने पारी का दूसरा ओवर करने आए शाहीन अफरीदी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाते हुए अपने इरादे जाहिर किए। प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान ने नई गेंद से भी अपने स्पिनरों से गेंदबाजी कराई और किशन ने आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। बेहतर लय में नजर आ रहे किशन 40 गेंदों में 77 रन की पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ मिलकर 87 रन की साझेदारी की। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार दूसरे मुकाबले में अपना खाता खोले बिना आउट हुए। क्रिकबज के अनुसार, अभिषेक अपने पहले 2 टी–20 विश्व कप मैचों (फुल मेंबर्स) में डक पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए।

टी–20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बने ईशान किशन

कोलंबो, भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने टी–20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 77 रन की जोरदार पारी खेली। यह उनके टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 9वां अर्धशतक रहा। इसके साथ–साथ मौजूदा विश्व कप में उनके बल्ले से निकलने वाली लगातार दूसरी अर्धशतकीय पारी रही। इस बीच वह टी–20 विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। आइए उनकी पारी के बारे में जानते हैं।

किशन ने पारी का दूसरा ओवर करने आए शाहीन अफरीदी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाते हुए अपने इरादे जाहिर किए। प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान ने नई गेंद से भी अपने स्पिनरों से गेंदबाजी कराई और किशन ने आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। बेहतर लय में नजर आ रहे किशन 40 गेंदों में 77 रन की पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ मिलकर 87 रन की साझेदारी की। किशन ने अब तक 39 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इसकी 39 ही पारियों में उन्होंने 30.76 की औसत से 1,169 रन बनाए हैं। इस बीच उनकी स्ट्राइक रेट 143.78 की रही है। उनके बल्ले से 1 शतक के अलावा 9 अर्धशतक भी निकले हैं। वह एक पारी में बिना खाता खोले भी आउट हुए हैं। उन्होंने 2021 में अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।

दो दीवाने सहर में के निर्देशक से लिफ्ट में मिली थीं मृणाल ठाकुर

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर पिछले कुछ सालों से अपनी मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाती आई हैं। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म दो दीवाने सहर में की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। उनकी यह नई फिल्म दर्शकों के बीच रोमांस से भरी कहानी लेकर आने वाली है। इस बीच उन्होंने फिल्म के निर्देशक रवि उदयवार से पहली मुलाकात के अनुभव को साझा किया। मृणाल ठाकुर ने कहा, मेरी पहली मुलाकात रवि सर से उनके नए घर की लिफ्ट में हुई थी। मजेदार बात यह है कि मेरी मां ने उन्हें पहचान लिया था, जबकि मैंने उन्हें पहले देखा ही नहीं था। मेरी मां ने कहा, ओह माय गॉड, मुझे आपकी फिल्म मॉम बहुत पसंद आई थी। दो दीवाने सहर में में शामिल होने के फैसले को लेकर मृणाल ने आगे कहा, मैंने रवि सर को कहा था कि मैं उनके काम की बहुत बड़ी फैन हूं और उनके साथ काम करना चाहती हूं। इस पर रवि सर ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि जल्द ही बातचीत करेंगे। इसके कुछ दिनों बाद, उनका मेरे पास मैसेज आया।

अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी रिलीज को तैयार, 20 फरवरी को जी5 पर होगा प्रीमियर

अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी आखिरकार अपनी डिजिटल स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। सनी लियोनी और राहुल भट्ट अभिनीत इस फिल्म का प्रीमियर 3 साल पहले कान फिल्म फेस्टिवल में किया गया था। यह फिल्म लंबे वक्त से सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तरस रही थी, अब इसे ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। निर्माताओं ने कैनेडी का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी किया है। साथ में रिलीज तारीख भी बताई है। कैनेडी एक डार्क क्राइम–थ्रिलर फिल्म है जिसे केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मंजूरी मिलने के बावजूद, अज्ञात कारणों से रिलीज का इंतजार करना पड़ रहा था। अब निर्माता इसे सीधेतौर पर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उतार रहे हैं। यह फिल्म 20 फरवरी को जी5 पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इस खबर ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। इसका निर्माण गुड बैड फिल्म्स द्वारा किया गया है जिसमें मोहित तकलकर, अभिलाष थपलियाल और मेघा बर्मन भी हैं।

भारतीय महिला टीम ने पहले टी–20 में ऑस्ट्रेलिया को हराया

नईदिल्ली,। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सिडनी में खेले गए पहले टी–20 मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम को हराया। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में सभी विकेट खोकर 133 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने जब 5.1 ओवर के बाद 50/1 का स्कोर बनाया था, तब बारिश के खलल के चलते मैच आगे नहीं हो पाया और आखिरकार डक वर्थ लुईस की बदौलत भारत को विजेता घोषित किया गया।पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को बेथ मूनी (5) और जॉर्जिया वोल (18) के रूप में शुरुआती झटके लगे। इसके बाद फीबी लिचफील्ड (26) और जॉर्जिया वेयरहम (30) ने टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। भारत की ओर से अरुंधति रेड्डी ने उम्दा गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लिए। जवाब में भारत से शफाली वर्मा 11 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुई। बारिश से मैच रुकने तक स्मृति मंधाना (16) और जेमिमा रोड्रिगेज (9) क्रीज पर थी।अरुंधति रेड्डी ने अपने टी–20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन किया। दाएं हाथ की इस तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख बल्लेबाज एलिस पेरी (20) को आउट करते हुए विकेटों का खाता खोला। इसके बाद उन्होंने लिचफील्ड, डार्सी ब्राउन और वेयरहम को भी अपनी गेंदबाजी में पवेलियन की राह दिखाई। उन्होंने अपने 4 ओवर में 22 रन देते हुए 4 विकेट लिए। अपने टी–20 अंतराष्ट्रीय में उन्होंने 26.14 की औसत से 41 विकेट लिए हैं।भारतीय टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 1–0 से बढ़त हासिल की। अब सीरीज का दूसरा मैच 19 फरवरी को कैनबरा और तीसरा टी–20 मुकाबला 21 फरवरी को एडिलेड में खेला जाएगा।ऑस्ट्रेलिया की पेरी ने 11 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 20 रन बनाए। इस बीच उन्होंने रनों के मामले में इंग्लैंड की पूर्व दिग्गज सराह टेलर को पीछे छोड़ा। पेरी के नाम अब 112 पारियों में 30.88 की औसत और 117.21 की स्ट्राइक रेट के साथ 2,193 रन हो गए हैं,

एक नजर

डूबी रकम वापस दिलवाने के लिए धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द लोनी अरबन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-आपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) के पीड़ितों ने कंपनी में डूबी रकम वापस न किए जाने पर आक्रोश जताया। उन्होंने शासन-प्रशासन से कंपनी के फरार संचालकों को तत्काल गिरफ्तार कर डूबी रकम वापस दिए जाने की मांग की है।

सोमवार को सुरेश सिंह नेगी के नेतृत्व में समस्त पीड़ित तहसील परिसर में एकत्रित हुए, जहां पर उन्होंने शासन-प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। कहा कि वे विगत 225 दिनों से तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन कर रहे है, लेकिन शासन-प्रशासन की तरफ से उन्हें कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। कहा कि भले ही प्रदेश सरकार की तरफ से सीबीआई की जांच की बात की जा रही है, लेकिन अभी तक कंपनी के फरार संचालकों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जिसके कारण पीड़ितों में शासन-प्रशासन के खिलाफ आक्रोश पनप रहा है। कहा कि शीघ्र ही फरार संचालकों को गिरफ्तार कर उनकी डूबी रकम वापस दिलवाई जाए। इस मौके पर राजेंद्र नेगी, शिवानी नेगी, सीमा, सुनीता रावत, अंजू डबराल आदि मौजूद रहे।

एआरटीओ कार्यालय में मिली गंदगी

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में गंदगी मिली। फाइलों के रखरखाव में लापरवाही और उपस्थिति पंजिका में खामियां देखने को मिली। इस पर डीएम नाराज हो गए और उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए जल्द व्यवस्थाओं में सुधार लाने को कहा। सोमवार को जिलाधिकारी ने एआरटीओ कार्यालय के नवीन निर्माणाधीन भवन और ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक परिसर पहुंचकर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। यहां काम पूरी तरह बंद मिलने पर कड़ी नाराजगी जताई। करोड़ों की लागत से बन रहे प्रोजेक्ट में शिथिलता देख डीएम ने आरआई को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने तकनीकी कार्यों के संचालन में हो रही देरी और अव्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए रिपोर्ट तलब की। चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से सुचारू नहीं हुआ तो इसके लिए संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही निर्माण कार्य में गुणवत्ता को देखते हुए इसका थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने और अन्य कार्यों के लिए आए लोगों के साथ सीधे बात करके विभिन्न सेवाओं के लिए जा रहे शुल्क की जानकारी ली। यदि कोई बिचौलिया या कर्मचारी अवैध वसूली में लिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

गांव में फेरी वालों को ग्राम प्रहरी की अनुमति लेनी होगी

उत्तरकाशी। खांसी गांव में फेरी लगा कर व्यापार करने वाले बाहरी व्यक्ति बगैर ग्राम प्रहरी की अनुमति के गांव में नहीं घुस पाएंगे। ग्रामीणों ने क्षेत्रों में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने और सामाजिक संदेश देने के लिए ग्राम पंचायत की खुली बैठक में यह निर्णय लिया। ग्राम प्रधान सूर्यपाल रावत की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक आयोजित की गई। इसमें गांव के हित में कई प्रस्ताव लिखे गए। इसमें फसल सुरक्षा, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, गांव की सफाई व्यवस्था शामिल हैं। स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिए प्रत्येक परिवार पर सौ रुपये वार्षिक शुल्क निर्धारित किया गया जिसे निगरानी समिति के माध्यम से पेयजल लाइन की टूट फूट पर खर्च किया जाएगा। इसके साथ ही फसल सुरक्षा के लिए कड़े नियम तय किये गए।

सड़क पर खड़े भारी वाहन, हादसों का अंदेशा

कोटद्वार के देवी रोड में सड़क किनारे खड़े भारी वाहन

कोटद्वार शहर में सड़क पर खड़े भारी वाहन बन रहे मुसीबत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जहां आपको बेतरतीब तरीके से खड़े भारी वाहन न दिखाई दें। नो पार्किंग में खड़े यह वाहन कब किसकी जिंदगी पर भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। जबकि, अव्यवस्था के कारण जाम की स्थिति भी बन रही है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में पार्किंग व्यवस्था का न होना एक चुनौती बन गई है। नियमों को ताक पर रख सड़क किनारे खड़े इन भारी वाहनों से हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। कौड़िया से नजीबाबाद चौराहे की ओर सबसे अधिक भारी वाहन खड़े रहते हैं। दो पूर्व पूर्व कौड़िया के समीप सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराने के कारण एक स्कूटी सवार युवक की मौत भी हो गई थी। कौड़िया से मोटाढांक को जाने वाले मार्ग पर भी एक लाइन से भारी वाहन खड़े रहते हैं। कुछ माह पूर्व एक महिला की स्कूटी ट्रक से टकरा गई थी। जिसमें महिला की मौत हो गई थी। सबसे अधिक परेशानी रात के अंधेरे में बनी रहती है। दरअसल, रात के समय यह भारी वाहन सड़क किनारे नजर नहीं आते, ऐसे में दुर्घटनाओं का अंदेशा और अधिक बढ़ जाता है। स्थानीय निवासी सुदर्शन रावत, मोहन सिंह ने बताया कि भारी वाहनों की पार्किंग न होने के कारण शहर में समस्या बढ़ रही है। पार्किंग स्थल चिह्नित करने के लिए कई बार नगर निगम व स्थानीय प्रशासन को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

यहां बनी है समस्या

नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सबसे अधिक समस्या कौड़िया से नजीबाबाद चौक, देवी रोड, सिताबपुर-मानपुर रोड, बीईएल-मोटाढांक रोड में बनी हुई है। इन स्थानों पर चालक अपने वाहन सड़क पर खड़ा कर गायब हो जाते हैं।

चालकों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय यातायात पुलिस का पूरा ध्यान केवल दोपहिया वाहन चालकों को नियमों का पालन करवाने पर ही होता है। जबकि, सड़क पर खड़े वाहन शहर की यातायात व्यवस्था में सबसे अधिक बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

बस में नाबालिग से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हरिद्वार से कोटद्वार की ओर आ रही एक बस में नाबालिग से छेड़छ-ड़ का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने आरोपी को हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित का कहना है कि वह हरिद्वार से कोटद्वार काम की तलाश में आ रहा था।

घटना के संबंध में पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि वह हरिद्वार से कोटद्वार आ रही थी। इसी दौरान उसके समीप एक युवक आकर बैठ गया। बताया कि युवक ने पुलिस की टोपी पहनी हुई थी। आरोप है कि रास्ते में युवक उससे छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर युवक कलालघाटी के समीप बस के दरवाजे के समीप गया और कूदकर फरार हो गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि युवक को हरिद्वार बस स्टैंड से गिरफ्तार किया गया। बताया कि उसकी पहचान चमोली जनपद के अंतर्गत बैरांगना निवासी हिमांशु नेगी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह पूर्व में चमोली स्थित एक होटल में काम करता था। रोजगार की तलाश में वह हरिद्वार से कोटद्वार जा रहा था। पुलिस ने आरोपित के पास से पुलिस की टोपी भी बरामद की।

न हुआ मार्ग का डामरीकरण न मिला भूमि का मुआवजा

कोटद्वार। बीरोंखाल ब्लॉक के तहत मटेला–कोरकंडाई–बयेडा–कठपतिया मोटर मार्ग का निर्माण 15 वर्ष बीतने के बाद भी पूरा नहीं हुआ है। बयेडा से कठपतिया के बीच सड़क नहीं बनने से ग्रामीण परेशान हैं। वहीं, इस बीच ग्रामीणों को अधिग्रहित नापखेत की भूमि का मुआवजा भी नहीं मिला है। डामरीकरण नहीं होने से मार्ग से जुड़े 18 गांवों के लोगों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। वर्ष 2010 में मटेला, रणगेरा, कोरकंडाई, कफलगैर, बयेडा तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया था लेकिन 15 साल बीतने पर भी न तो मोटर मार्ग का डामरीकरण हुआ है और न ही सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित नापखेतों का मुआवजा ग्रामीणों को मिला है। सड़क का मिलान कठपतिया तक होना था लेकिन अभी तक सड़क का मिलान भी नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मांग ग्रामीणों ने इसलिए की थी कि कठपतिया तक मिलान होने पर ग्रामीणों को कुमाऊं जाने में आसानी होगी व दिल्ली–रामनगर की दूरी घटेगी। विभाग ने न तो सड़क पूरी बनाई और न ही अभी तक डामरीकरण ही हो पाया है। डामरीकरण न होने से सड़क की हालत जर्जर व खस्ताहाल है। सड़क के मुआवजे, डामरीकरण व कठपतिया तक सड़क मिलान के लिए प्रकिया जारी है। स्वीकृति मिलते ही सभी कार्य जनहित में कराए जाएंगे। – लोकेश कुमार सारस्वत, अधिशासी अभियंता लोनिवि बैजरो।

राशन कार्ड धारक से 31 मार्च तक कराएं ई–केवाईसी

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिला पूर्ति अधिकारी चमोली अंकित पाण्डेय ने जनपद के समस्त राशन कार्ड धारकों से अपील की है कि वे भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जारी निर्देशों के क्रम में अपने राशन कार्ड की ई–केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लें।

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार जनपद में अभी तक 59.27 प्रतिशत लाभार्थियों की ई–केवाईसी पूर्ण हो चुकी है, जबकि 40.73 प्रतिशत लाभार्थियों की ई–केवाईसी शेष है। शेष लाभार्थियों से अनुरोध किया गया है कि वे 31 मार्च 2026 तक अपनी ई–केवाईसी अवश्य पूर्ण कराएं। उन्होंने बताया कि लाभार्थी अपने नजदीकी सरकारी सस्ता गल्ला विक्रेता की दुकान पर जाकर बायोमैट्रिक सत्यापन (फिंगर प्रिंट) के माध्यम से ई–केवाईसी कर सकते हैं। निर्धारित तिथि तक ई–केवाईसी पूर्ण न कराने की स्थिति में राशन कार्ड अस्थायी रूप से निष्क्रिय किया जा सकता है। जिला पूर्ति अधिकारी ने जनहित में सभी राशन कार्ड धारकों से समय रहते प्रक्रिया पूर्ण कराने का अनुरोध किया है।

पहली बार विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

हर बालिका बने झांसी की रानी और बालक बनें राम–कृष्ण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार :दुगड्डा (कोटद्वार): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सोमवार को दुगड्डा नगर पालिका परिषद प्रांगण में इतिहास में पहली बार भव्य 'विराट हिन्दू सम्मेलन' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, वात्सल्य आश्रम के निदेशक स्वामी सत्यश्रेय वात्सल्य जी ने उपस्थित जनसमूह में जोश भरते हुए कहा, "यतो धर्मस्ततो जयः (जहाँ धर्म है, वहीं विजय है)।" उन्होंने कहा कि सनातन धर्म और अपनी रक्षा के लिए समाज को सशक्त होना होगा। उन्होंने माताओं–बहनों और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि, "आज समय की मांग है कि हर बालिका 'झांसी की रानी' बने और हर बालक 'राम और कृष्ण' के आदर्शों को जीवन में उतारे।" मुख्य अतिथि डॉ. अनिल वर्मा (प्रांत संपर्क प्रमुख, हरिद्वार) ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज को दिशा देने के लिए 'पंच परिवर्तन' के सूत्र दिए जिसमें सामाजिक समरसता,पर्यावरण संरक्षण,कुटुंब प्रबोधन (परिवार व्यवस्था),स्व आधारित जीवन (आत्मनिर्भरता),नागरिक कर्तव्य। उन्होंने कहा कि इन पांच सूत्रों को अपनाकर ही हम विश्व गुरु भारत का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा 'महाभारत' पर आधारित एक भावपूर्ण नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसने धर्म युद्ध के संदेश को जीवंत कर दिया। वहीं, क्षेत्र के पूर्व सैनिकों ने अपनी मेडल और टोपी पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया, जो अनुशासन और देशभक्ति का अनूठा संगम था।

इस ऐतिहासिक अवसर पर श्री बद्रीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष, यमकेश्वर विधायक, कोटद्वार महापौर, दुगड्डा नगर पालिका अध्यक्ष और दुगड्डा ब्लॉक प्रमुख, अरविंद दुदपुडी जिला प्रचार प्रमुख ने मंच साझा किया और समाज को संगठित होने का संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजक समिति (दुगड्डा, डाडामंडी और देवीखाल खंड) ने इस प्रथम विराट सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समस्त सनातनी समाज का आभार व्यक्त किया।

मार्ग निर्माण को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियां : नौटियाल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल ने कहा कि सरकार की गंभीरता से ही आज न्यायालय ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को स्वीकृति दी है। लेकिन, कुछ लोग ऐसे हैं जो मार्ग निर्माण को लेकर भ्रांतियां फैला रहे है। कहा कि जनता के हित को देखते हुए गुणवत्ता के साथ मार्ग निर्माण करवाया जाएगा।

सोमवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए राज गौरव नौटियाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मार्ग निर्माण का पेंच फंसा था। सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी ने सदैव मार्ग निर्माण को लेकर गंभीरता दिखाई। कहा कि लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग यहां की लाइफ लाइन है और सुप्रीम कोर्ट ने इसके निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है।

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते राजगौरव नौटियाल

लेकिन कुछ लोग इस सड़क को लेकर भ्रांतियां फैलाने का काम कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष नौटियाल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की एकजुटता और दृढ़ संकल्प के चलते ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मार्ग को खोलने के पक्ष में निर्णय दिया है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस मार्ग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं वो उनका अधिकार है लेकिन उनको सही चैनल के माध्यम से मांग करनी चाहिए। कहा कि विरोधी दल के लोग लगातार इसमें राजनीति करते आ रहे हैं,लेकिन जब-जब भाजपा सरकार रही इस मार्ग को लेकर गंभीरता से काम किया। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत करते हुए साथ आना चाहिए। इस मौके पर जिला महामंत्री सुरेंद्र आर्य, नगर अध्यक्ष विकासदीप मित्तल, भाजयुमो जिलाध्यक्ष शांता बमराड़ा, मोहन सिंह नेगी, ऋतिक आदि मौजूद रहे।

मेले में चौथे दिन दूर दराज के ग्रामीणों की खूब भीड़ जुटी

उत्तरकाशी। गंगनानी कुंड की जातर के चौथे दिन भी कलाकारों के साथ ही स्कूली बच्चों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। मेले में चौथे दीन दूर दराज के ग्रामीणों की खूब भीड़ जुटी। सोमवार को गंगनानी मेले के चौथे दिन मंच पर उद्यान विभाग की ओर से गोष्ठी का आयोजन किया गया। कुटेटी कला संगम की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही लोक गायक अनिल बेसारी, संतोषी खत्री, सावित्री राणा, बाबूराम शर्मा, मयूर झांकी, धर्मेंद्र परमार, संजय तोमर, महेंद्र सिंह चौहान ने विभिन्न सांस्किृति कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन किया। जिला पंचायत की ओर से मेले की दिशा व दशा पर मीडिया की भूमिका विषय पर पत्रकार गोष्ठी का आयोजन किया।

भू–वैज्ञानिक सर्वे के बाद ही मिलेगी भवन–होटल निर्माण की अनुमति

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा आपदा प्रभावित धराली के कुछ प्रभावित परिवारों के लोग अपनी निजी भूमि पर अपना भवन और होटल बनाना चाहते हैं। इसके लिए वहां पर पहले भू–वैज्ञानिक सर्वे करवाया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों की मांग पर 20 प्रभावित परिवारों की प्रथम सूची भू–वैज्ञानिक के लिए भेज दी गई है। वहीं डीएम ने सिंचाई विभाग की ओर से प्रभावित क्षेत्र में कार्य नहीं करने पर अधिकारियों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने सोमवार को आपदा प्रभावित धराली में कार्यों और मुआवजा संबंधी प्रक्रिया की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने सिंचाई विभाग की ओर से बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य शुरू नहीं किए जाने व आपदा जोन में विभागीय भूमि का चिह्नीकरण न करने पर नाराजगी व्यक्त की। अधिकारियों को जल्द ही कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम को निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारियों को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत नोटिस जारी किए जाए। डीएम ने व्यावसायिक प्रभावितों की राहत राशि उनके खातों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने बताया कि व्यावसायिक प्रभावितों के बैंक खाते सहित अन्य आवश्यक विवरण एकत्र किए जा रहे हैं। प्रक्रिया पूर्ण होते ही आरटीजीएस के माध्यम से धनराशि सीधे उनके खातों में भेज दी जाएगी। जिलाधिकारी ने महिला स्वयं सहायता समूहों को सेब उत्पादन, होम–स्टे और डेयरी गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने झाला,जानकीचट्टी और दोबाटा में भी सामुदायिक शेड निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

बेस अस्पताल में अब खुल जाएगी नेत्र विशेषज्ञ की दूसरी ओपीडी

कोटद्वार। राजकीय बेस अस्पताल में कोटद्वार के अलावा दूरदराज क्षेत्रों से आंखों की समस्या लेकर आने वाले मरीजों को अक्सर भटकने पर मजबूर होना पड़ रहा है। विशेषज्ञ के ऑपरेशन एवं अन्यत्र ड्यूटी पर जाने अथवा अवकाश पर होने के दौरान सामान्य रूप से ओपीडी प्रभावित होती है। अब ऐसा नहीं होगा। आगामी दिनों में नेत्र विशेषज्ञ की दूसरी ओपीडी भी संचालित होगी। बेस अस्पताल के ट्रामा सेंटर भवन परिसर में नेत्र विशेषज्ञ की ओपीडी संचालित होती है। यहां रोजाना औसतन 40 से 50 मरीज आंखों की प्राथमिक जांच, उपचार आदि के लिए पहुंचते हैं। सर्जन डॉ. डीके सिंह में अधिकांश मरीज स्वास्थ्य लाभ पाते हैं लेकिन कुछ मरीजों की आंखों में समस्या अधिक होने पर उनका ऑपरेशन भी किया जाता है। एकमात्र नेत्र सर्जन होने के चलते डॉ. डीके सिंह को ही ओपीडी के साथ–साथ ऑपरेशन भी करने होते हैं। आंखों के ऑपरेशन के लिए मंगलवार और बृहस्पतिवार का दिन निर्धारित है। चिकित्सक बताते हैं कि एक दिन में आंखों के चार से पांच ऑपरेशन हो जाते हैं। वहीं, नेत्र विशेषज्ञ के ऑपरेशन में होने, जनमानस के लिए लगने वाले शिविर में जाने, पोस्टमार्टम या वीआईपी ड्यूटी में होने, अवकाश पर रहने के दौरान ओपीडी बंद होने पर अस्पताल आने वाले मरीजों को चिकित्सीय सेवा से वंचित होना पड़ता है। हालांकि डॉ. डीके सिंह का कहना है कि मरीजों से व्यापक संपर्क बनाकर उन्हें भटकने नहीं दिया जाता है। विशेषज्ञ चिकित्सक ज्वाइन नहीं की ड्यूटीः बेस अस्पताल में नेत्र जांच ओपीडी ही एकल चिकित्सक के भरोसे चल रही है। अन्य सभी ओपीडी में दो–दो विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती है। निदेशालय ने इस कमी को पूरा करते हुए विगत माह नेत्र विशेषज्ञ को राजकीय बेस अस्पताल भेजा गया था, लेकिन उस समय चिकित्सक ने ज्वाइनिंग नहीं ली थी। उनका लाभ मरीजों को नहीं मिल सका।

–निदेशालय द्वारा भेजे गए नेत्र विशेषज्ञ से आज ही संपर्क हुआ है। संभवतः मंगलवार या बुधवार से आंखों के उपचार संबंधी दूसरी ओपीडी का संचालन भी शुरू हो जाएगा। **—डॉ. विजय सिंह, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, बेस अस्पताल कोटद्वार।**

मानदेय के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का विकास भवन पर प्रदर्शन

उत्तरकाशी। मानदेय वृद्धि और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेविका मिनी कर्मचारी संगठन की ओर से विकास भवन में बाल विकास विभाग का घेराव किया गया। उन्होंने मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की और कहा कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी जाती तो आगे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

जनपद के सभी विकासखंडों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेविका मिनी कर्मचारी संगठन से जुड़ी महिलाएं जोशियाड़ा में एकत्रित हुई। वहां से उन्होंने विकास भवन तक मांगों को लेकर नारेबाजी कर जुलूस प्रदर्शन किया। उसके बाद उन्होंने बाल विकास विभाग का घेराव कर अपनी मांगों पर जल्द ही अमल करने के लिए शासन स्तर पर वार्ता करने की मांग की।

मार्ग एलिवेटेड बनाने के लिए धरना जारी

कोटद्वार के चिलरखाल मोटर मार्ग में धरने पर डटे स्थानीय लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने के लिए क्षेत्रवासियों का धरना सोमवार को भी जारी रहा। लोगों ने कहा कि उच्च न्यायालय ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी है। लेकिन, क्षेत्रीय जनता इसे एलिवेटेड बनाने की मांग उठाती है।

मालूम हो कि स्थानीय जनता पिछले कई दिनों से मार्ग निर्माण को लेकर धरना दे रही है। कुछ सप्ताह पूर्व क्षेत्र में आक्रोश रैली भी निकाली गई। इसके बाद 12 फरवरी को उच्चतम न्यायालय ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी। लेकिन, धरने पर डटे लोगों ने धरातल पर मार्ग एलिवेटेड नहीं बनने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी है। प्रवीन थापा ने बताया कि लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग कोटद्वार के विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। ऐसे में न्यायालय ने कुछ शर्तों के साथ मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी है। लेकिन, स्थानीय लोग केवल एलिवेटेड मार्ग ही चालते हैं। इससे नीचे कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा। कहा कि मार्ग को व्यवसायिक वाहनों के आवागमन के लिए खोला जाना भी अति आवश्यक है। यदि मार्ग एलिवेटेड बनता है तो स्थानीय लोगों को इसका बेहतर लाभ मिलेगा।

सेक दौड़ में आदित्य व कृतिका रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत एमकेवीएन एजुकेशनल ग्रुप की ओर से आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का सोमवार को समापन हो गया। इस दौरान सेक दौड़ में आदित्य व कृतिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अव्वल खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

सोमवार को आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ मेहरबान सिंह नेगी, प्रकाश चंद्र कोठारी, मयंक प्रकाश कोठारी, सिंधु कोठारी, विपिन जदली ने दीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत अंतिम दिन एमकेवीएन स्कूल कण्वघाटी प्राईमरी वर्ग की बालक-बालिका वर्ग की सेक रेस में आदित्य-कृतिका ने प्रथम, अनुभव-

एमकेवीएन विद्यालय में प्रतियोगिता के अव्वल खिलाड़ियों को सम्मानित करते अतिथि व अन्य

अंशिका ने द्वितीय एवं रूद्र पांडे-राशि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। थ्री लेग रेस में आयुषि-अदिति ने प्रथम, मन्नत-इशानी ने द्वितीय तथा तान्या-इशिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की स्पून रेस में अक्षित, प्रत्यूष व सौरभ ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राइमरी वर्ग के बालक-बालिका रिले रेस में राजा दुष्यंत हाउस ने बाजी मारी। प्राइमरी वर्ग की ही जिग-जैग में एकांश गौड़ प्रथम, प्रीति द्वितीय व अनुभव तृतीय रहे। कक्षा एलकेजी की बैलून बैलेंसिंग रेस में देवांश-लविश ने प्रथम, आदर्श-शिवाय ने द्वितीय व अनवी-अवनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। यूकेजी की ब्लो द स्ट्रिप रेस में क्रिस्टी प्रथम, श्रेयांश द्वितीय व विहान तृतीय रहे। कक्षा1 व 2 की वन लेग रेस में गगन प्रथम, प्रियांश द्वितीय तथा सिद्धार्थ तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा कक्षा 1 व 2 की बालिका वर्ग की कप बैलेंसिंग रेस में दिव्यांशी प्रथम, तनवी द्वितीय व रितू बलोनी तृतीय रहे। जूनियर बालिका व बालक वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में मां शकुंतला हाउस प्रथम रहा। एमकेवीएन स्कूल दुर्गापुरी के प्री प्राइमरी वर्ग की कक्षा-प्ले की फ्राग रेस में अनिकेत प्रथम, कृषा द्वितीय व सोमिक चौधरी तृतीय रहे। कक्षा-नर्सरी की बन्नी रेस विद कैरेट रेस में वेदांश प्रथम, शिविका द्वितीय हर्षिल तृतीय रहे। कक्षा-एलकेजी व यूकेजी की मंकी रेस विद बनाना में मिशिका प्रथम, पारस पयाल द्वितीय अद्विक तृतीय रहे। कक्षा 1 व 2 की पिरामिड रेस में समर्थ प्रथम, सृष्टि द्वितीय युवान नेगी तृतीय रहे। कक्षा 3 से 5 तक के 100 मीटर रेस में आदित्य नेगी प्रथम, आदर्श रमोला द्वितीय व कार्तिक नेगी तृतीय रहे। कक्षा 6 व 7 तक के 200 मीटर रिले रेस में मां शकुंतला हाउस प्रथम रहा। वालीबाल प्रतियोगिता में महर्षि कण्व हाउस प्रथम रहा। खेल प्रतियोगिता के समापन पर सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर अशोक जखमोला, अनिल सैनी, चिराग कुकरेती, नितिश कुमार, पुष्पा केष्टवाल, ममता नेगी, अतुल बडोला, पुष्कर कुमार, विवेक सती, आकांक्षा अधिकारी, ऋतु शर्मा, नीता घिल्डियाल, ज्योति, पारूल, प्रमलता गुसांई, अंजू रावत मौजूद रहे।

बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुक किया

उत्तरकाशी। यातायात पुलिस उत्तरकाशी की ओर से एंजेल्स इंटरनेशनल एकेडमी मातली में जूनियर ट्रैफिक पुलिस फोर्स का गठन किया गया। साथ ही पुलिस टीम की ओर से बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। यातायात उप निरीक्षक लक्ष्मण सिंह चुफाल के नेतृत्व में विद्यालय में जूनियर ट्रैफिक पुलिस फोर्स गठित की गई जिसमें 20 छात्र–छात्राओं व एक टीम कमांडर नियुक्त किया गया। बच्चों को संबोधित करते हुए यातायात उप निरीक्षक ने कहा कि बच्चों का सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि बच्चे आने वाले देश का भविष्य है। प्रधानाचार्य वेद प्रकाश सेमवाल ने कहा कि यातायात पुलिस उत्तरकाशी की ओर से प्रतिवर्ष विद्यालय में सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्रामीण डाक जीवन बीमा पॉलिसी संख्या R-UA-DN-EA-108058 में मेरा नाम विशम्बरी देवी रावत दर्ज हो गया है। जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम विद्या देवी है। मेरे समस्त सरकारी/गैर सरकारी अभिलेखों में मेरे नाम को विद्या देवी पढ़ा व दर्ज किया जाय।

विद्या देवी पत्नी बलबीर सिंह निवासी ग्राम सिमलगांव, पाणीकासैंण, तहसील लैन्सडाउन, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1582/21)

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय अनुसूचित जाति युवजन समाज ने कार्यकारिणी में किए बदलाव

देहरादून। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति युवजन समाज मसूरी शाखा की बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए एवं संगठन के कार्यक्रमों को अग्रसित करने के लिए ठोस निर्णय भी लिए गए। बैठक में राजेश शर्मा को जिला उपाध्यक्ष, सलीम अहमद जिला महासचिव चुना गया। सोमवार को शहर अध्यक्ष भरत लाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए व कार्यकारणी में बदलाव किया गया। बैठक में राजेश शर्मा को जिला उपाध्यक्ष, सलीम अहमद जिला महासचिव, महिपाल सिंह शहर उपाध्यक्ष, सुनील जाटव शहर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनिल कुमार शहर सचिव मसूरी, संतोष खन्ना मसूरी शहर संगठन मंत्री महिला प्रकोष्ठ, नियुक्त किया गया। मुख्य अतिथि संगठन के प्रदेश मुख्य महासचिव सुरेश कुमार यादव एडवोकेट ने बैठक में युवजन समाज उत्तराखंड संगठन से संबंधित कुछ प्रस्ताव लाकर प्रस्ताव पास कर निर्णय लिए गए। मसूरी शहर के निम्न वर्ग के लोगों की समस्याओं को लेकर सर्व सम्मति से यह बात तय हुई कि जल्द ही रेहड़ी पटरी वालों की समस्याओं को लेकर एवं नगर पालिका में कार्यरत अस्थाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर डीएम से मिला जाएगा। अनुसूचित जाति वर्ग, जन जाति वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग के लोगों की मसूरी एसडीएम कार्यालय स्तर पर जाति प्रमाण पत्र एवं स्थाई निवास प्रमाण पत्र बनाने में आ रही दिक्कत और परेशानियों को लेकर शीघ्र ही एक प्रतिनिधि मंडल डीएम को ज्ञापन देगा। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटा कर नये पदाधिकारी बनाये गए।

मित्रा फाउंडेशन ने उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

देहरादून। मित्रा फाउंडेशन सोसाइटी व गोल्डन मेट्रो अवार्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गोल्डन मेट्रो अवार्डस में शिक्षा, सामाज, स्वास्थ्य, उद्योग, कला, पर्यावरण के क्षेत्र में योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। सोमवार को गोल्डन मेट्रो अवार्डस समारोह कैनाल रोड स्थित निजी होटल में संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर शाहिद माल्या ने शिक्षा, सामाज, स्वास्थ्य, उद्योग, कला, पर्यावरण के क्षेत्र में योगदान देने वाले आलोक उल्फत, डॉ. फारूक, ब्रिगेडियर गोविंद सिंह सिसोदिया, जया बलूनी, दिव्या बाजपेई, डॉ. विपुल कंडवाल, अनिल मारवाह, सरदार डीएस मान, डॉ. ललित चौधरी, आरजे कविंद्र सिंह मेहता, गुलजार सिंह, इंद्राणी पांधी, रोहित चौहान, सच्चिदानंद भारती, जगदीश लखेरा, अशोक राणा, निकुंज ध्यानी व मीटी कोहली को सम्मानित किया गया।मुख्यअतिथि प्लेबैक सिंगर शाहिद माल्या ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे व्यक्तित्वों की सराहना की और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया

युवाओं में वित्त समझ विकसित करना जरूरी

देहरादून। ग्राफिक एरा में आयोजित संगोष्ठी में छात्रों को बाजार विश्लेषण, जोखिम प्रबंधन और धन नियोजन के संबंध में जानकारी दी गई। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में आज फाइनेंस अनफिल्टर्ड विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में स्टोकबॉक्स के सीईओ डॉ सुशांत सिंह ने कहा कि आज का युवाओं में वित्तीय समझ विकसित की जाए तो वह भविष्य की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकते हैं। उन्होंने प्रेजेंटेशन के माध्यम से शेयर, निवेश, डीमैट अकाउंट, एफ एंड ओ, स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, पोर्टफोलियो विविधीकरण, जोखिम प्रबंधन, इक्विटी तथा रिटर्न जैसे वित्तीय विषयों की जानकारी दी।

कांग्रेस के राजभवन कूच से पहले कांग्रेसी नेताओं के पोस्टर उतारे

देहरादून। कांग्रेस के राजभवन कूच से पहले नगर निगम ने शहर में कांग्रेस नेताओं व कार्यक्रम से संबंधित होर्डिंग उतार दिए। इसका कांग्रेसी नेताओं ने विरोध किया। कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने कहा कि धामी सरकार उत्तराखंड की जनता के सवालों से डर रही है। कहा कि कांग्रेस ने राजभवन घेराव इसलिए रखा क्योंकि प्रदेश में महिला अपराध बढ़ रहे हैं। कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। भर्ती घोटालों से युवा त्रस्त हैं लेकिन कार्यक्रम से पहले ही हमारे बैनर-पोस्टर हटवाकर लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है। जब सत्ता पक्ष कार्यक्रम करता है तो प्रशासन मौन रहता है,

दिव्यांगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर योजनाओं से लाभान्वित करें : डीएम

पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए समयबद्ध निस्तारण करें

जिलाधिकारी ने एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करें। उन्होंने पुलिस विभाग को प्राथमिकी दर्ज होने के बाद त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही गैर-सरकारी सदस्यों से संवाद करते हुए कहा कि वे ऐसे प्रकरणों को बैठक में सक्रिय रूप से उठाएं तथा पीड़ितों की आवाज बनकर उनके हितों की रक्षा करें। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जांच एवं कार्रवाई में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम से संबंधित मामलों तथा दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित प्रकरणों की स्थिति, उपलब्ध सेवाओं, लाभार्थियों की प्रगति एवं आगामी कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के सभी दिव्यांगजनों का समग्र डेटाबेस तैयार किया जाए, जिसमें उनके प्रमाणपत्र, यूडीआईडी कार्ड, सहायक उपकरण, स्वरोजगार एवं अन्य सुविधाओं का विवरण शामिल हो, ताकि उन्हें योजनाओं का समुचित लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने दिव्यांगजनों को स्वरोजगार से जोड़ने की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाए। कहा कि शिविरों का आयोजन कर विभिन्न योजनाओं एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाए, जिससे इच्छुक दिव्यांगजनों को योजनाओं से लाभान्वित कर आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। डीएम ने कहा कि जिन दिव्यांगजनों के विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र (यूडीआईडी) अभी तक नहीं बने हैं, उनके लिए विशेष अभियान चलाकर कार्ड बनवाएं जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त मात्रा में कृत्रिम अंग उपलब्ध रखे जाएं तथा आवश्यकता अनुसार उपकरण उपलब्ध कराने हेतु जिला योजना के अंतर्गत प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अनूप काला, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह, जिला पंचायतराज अधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल, अपर समाज कल्याण अधिकारी अनिल सेमवाल, एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के सदस्य गेंदालाल टम्टा, नरेंद्र टम्टा, अंकित घाघट सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवार रजिस्टर का सत्यापन कर ऑनलाइन अपडेट करें : डीएम

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दरबार में दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों ने लोनिवि, पंचायत, ग्राम्य विकास विभाग और पेयजल आदि विभागों से संबंधित समस्याएं उठाई। डीएम नितिका खंडेलवाल ने कई समस्याओं का समाधान कर अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर परिवार रजिस्टर का सत्यापन कर ऑनलाइन अपडेट करने को भी कहा गया है। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दरबार में प्रतापनगर के क्यारी गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद सेमवाल ने क्यारी-जेवाला और क्यारी-भेलगाड़ मोटर मार्ग पर किए गए कटान का मुआवजा देने की मांग की। जौनपुर के रयाट गांव से पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि धारगांव नामक तोक में जहां कूड़ा निस्तारण यूनिट प्रस्तावित है, उसके ठीक नीचे पेयजल स्रोत होने के कारण उन्होंने कूड़ा यूनिट हटाने की मांग की है। चंबा में मंज्यूड़ की प्रधान रानी नेगी ने राष्ट्रीय राजमार्ग से प्रभावित मकानों की सुरक्षा दीवार लगाने की मांग की। बौराड़ी निवासी नसीम ने पुरानी टिहरी से विस्थापन के बदले पुनर्वास का लाभ देने की मांग की। बैल्डोगी-खंभाखाल मोटर मार्ग से खतरे की जद में आए मकानों के लिए पैराफिट लगाने की मांग की गई।

ग्राम मरोड़ा निवासी शक्ति प्रसाद कंसवाल ने शिकायत दर्ज कराई कि ग्राम रिंडोल निवासी इंद्रदत्त रतूड़ी ने फर्जी भूमिहीन प्रमाण पत्र बनाकर ग्राम मरोड़ा में पट्टे की भूमि अपने नाम करवाई है। उन्होंने इसकी जांच कराने की मांग की। सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत जिले में 20 से 28 फरवरी तक सहकारी मेले का आयोजन किया जा रहा है, इसमें सभी विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे और गोष्ठियां आयोजित की जाएगी।

सड़क निर्माण की जांच पर सदन में ही धरने पर बैठे ग्राम प्रधान

चमोली। पोखरी ब्लॉक सभागार में सोमवार को क्षेत्र पंचायत प्रमुख राजी देवी की अध्यक्षता में आयोजित त्रैमासिक बीडीसी बैठक में जनप्रतिनिधियों ने सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। बैठक के दौरान जौरासी-तोणजी सड़क निर्माण में कार्यदायी संस्था पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए किमोठा के ग्राम प्रधान हरिकृष्ण किमोठी सदन में ही धरने पर बैठ गए जिससे कुछ देर के लिए कार्यवाही प्रभावित हुई। उन्होंने मामले में ठोस कार्रवाई की मांग की। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की ओर से जांच और कार्रवाई के आश्वासन के बाद वे शांत हुए। बैठक में सेरा मालकोटी के प्रधान राजेश सिंह और जिला पंचायत सदस्य बीरेंद्र राणा ने गांव को सड़क से जोड़ने की मांग उठाई। विनगढ़ की प्रधान ममता चौहान ने पोखरी-कर्णप्रयाग सड़क के किमी आठ पर सड़क धंसने से आठ परिवारों पर मंडरा रहे खतरे का मुद्दा रखा। भदूणा के प्रधान राजेश रावत ने देवीखेत-त्रिशूला सड़क तथा क्षेत्र पंचायत सदस्य कामिनी भंडारी ने पोखरी-विशाल-बामनाथ सड़क की बदहाल स्थिति सुधारने की मांग की।

सूगी की प्रधान विमला देवी और सिनाऊकी प्रधान संतोषी देवी ने पेयजल संकट का मुद्दा उठाया। क्षेपं सदस्य बीरेंद्र राणा ने सीएचसी पोखरी में चिकित्सकों की कमी पर चिंता जताई।जनप्रतिनिधियों ने विभागीय लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की। बैठक में सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

चौरंगीखाल में फैब्रिकेटेड शौचालय पड़ा है क्षतिग्रस्त

नई टिहरी। चौरंगीखाल बाजार में प्रशासन की ओर से एक शौचालय की व्यवस्था नहीं की गई है जिससे पर्यटकों व स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्यटन विभाग की ओर से एक फैब्रिकेटेड शौचालय लगाया गया था लेकिन वह देखरेख न होने से जर्जर बना है।

स्थानीय निवासी अनिल नौटियाल, कुंवर सिंह, राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि चौरंगीखाल जनपद का सबसे नजदीक का पर्यटन स्थल है। वहां पर हर दिन जनपद मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों से पर्यटक पहुंचते हैं। इसके साथ ही यह नचिकेता ताल ट्रैक का भी मुख्य द्वार है। साथ ही बर्फबारी के दौरान यहां पर पर्यटकों का अच्छी भीड़ उमड़ती है। चारधाम यात्रा के दौरान गंगोत्री से केदारनाथ जाने वाले हजारों यात्री यहां पर रुकते हैं।

वन पंचायतों के चुनाव को मानकों के अनुसार सम्पन्न करवाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार में जनपद के सरपंचों की ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से विभिन्न मांगों के निराकरण के संबंध में बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों को वन विभाग से समन्वय बनाते हुए अपने-अपने क्षेत्र में वन पंचायतों के चुनाव को मानकों के अनुसार संपन्न करवाने एवं वन पंचायतों में अतिक्रमण रोकने के लिए समय-समय पर अभियान चलाकर अतिक्रमण क्षेत्र को मुक्त करवाए एवं संबंधित आख्या उपलब्ध कराने को कहा।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी बद्रीनाथ वन प्रभाग सर्वेश कुमार दुबे ने सरपंचों की विभिन्न मांगों एवं विभाग से संबंधित समस्त जानकारी जिलाधिकारी को दी। उन्होंने बताया कि वन प्रभागों द्वारा अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक बंदरों का बान्ध्यीकरण जनपद को मिले 2700 लक्ष्य के सापेक्ष 1703 बंदरों को बान्ध्यीकरण हेतु हरिद्वार भेजा गया है। साथ ही मानव वन्य जीव संघर्ष घटनाओं से सम्बंधितो को भुगतान दिया जा रहा है। शेष लंबित प्रकरणों को और बजट अवमुक्त होने पर भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चमोली जनपद में कुल 852 वन पंचायत कार्यरत है जिनमें से 304 वन पंचायत में चुनाव होना शेष है। बैठक में संबंधित सरपंचों द्वारा वन पंचायत से संबंधित कार्यों, वनाग्नि काल में फायर मैन की नियुक्ति, मानदेय, वर्ष में दो बार जिले के वन अधिकारियों के साथ बैठक एवं चर्चा, ग्राम वन पंचायत सरपंच बना अग्नि अवरोध समिति का अध्यक्ष ग्राम वन पंचायत सरपंच को ही नियुक्ति करने, वन पंचायतो के संवर्धन हेतु आमंत्रित कार्यों में समरूपता रखने, सभी ग्राम पंचायत सरपंचों को भौगोलिक आधार पर सोलर लाइट उपलब्ध कराने, सभी 09 विकास खण्डों में वन पंचायतों के माइक्रो प्लान शीघ्र बनवाने, शासन द्वारा प्राप्त बजट में पारदर्शिता, वनाग्नि से सुरक्षा मैन पावर को प्रभावी सील बनाने आदि मांगे रखी गई। जिस पर जिलाधिकारी ने बद्रीनाथ वन प्रभाग, केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग, नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क जोशीमठ, अलकनंदा भूमि वन संरक्षण के प्रभागीय वनाधिकारियों को निर्देशित किया कि वन पंचायत नियमावली के अंतर्गत सरपंचों को दी जाने वाली सभी प्रकार की सुविधाओं को लागू किया जाए।

बाल संरक्षण समिति सक्रियता से कार्य करें : डीएम

राजकीय संप्रेषण गृह गडोली में पेयजल पाइपलाइन कार्य शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि बच्चों के हित से जुड़े प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि बाल अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवेदनशील मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

गत बैठक में जिलाधिकारी द्वारा राजकीय संप्रेषण गृह (किशोर) गडोली के लिए अतिरिक्त पाइपलाइन की स्वीकृति दी गयी थी। जल संस्थान द्वारा प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। वर्तमान में जिलाधिकारी द्वारा धनराशि स्वीकृत कर उक्त कार्य की स्वीकृति दी गयी थी, जिस पर 13 फरवरी से कार्य शुरू हो चुका है। जिलाधिकारी ने पॉक्सो पीड़िताओं एवं बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बालिकाओं के लिए खुशियों की सवारी सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक परिवहन सुविधा मिल सके। साथ ही उन्होंने नशामुक्ति से संबंधित रिपोर्ट पृथक रूप से प्रस्तुत करने तथा बच्चों एवं किशोरों को नशे से दूर रखने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। जिलाधिकारी ने राजकीय संप्रेषण गृह, गडोली में मरम्मत कार्य, खेल सामग्री उपलब्ध कराने तथा पुस्तकालय विकसित करने को कहा, ताकि वहां निवासरत किशोरों को बेहतर वातावरण मिल सके। डीएम ने बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों को रोस्टर के अनुसार नियमित फील्ड निरीक्षण करने एवं जिला मुख्यालय में नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए, जिससे बच्चों से संबंधित मामलों का त्वरित निस्तारण हो सके। जिलाधिकारी ने बाल पंचायत के आयोजन पर भी सहमति प्रदान की। जिलाधिकारी ने ग्राम एवं ब्लॉक स्तर पर गठित बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय करने तथा जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजागरूकता के माध्यम से बाल शोषण, उत्पीड़न, बाल विवाह एवं बाल श्रम जैसी कुप्रथाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। बैठक में जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद कुमार, जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित सिंह, सहायक अर्थ एवं संख्याधिकारी रणजीत सिंह रावत, जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयबीर रावत, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राकेश चंद्र, सदस्य गंगोत्री नेगी, सुनीता भट्ट, अमन, अभिषेक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली का कनेक्शन लेने में बीत गया दो माह का समय

उत्तरकाशी। जौनपुर ब्लॉक के श्रीकोट क्षेत्र के लोगों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र) की सेवाएं शुरू होने के लिए अब 31 मार्च तक इंतजार करना पड़ सकता है। निर्माणाधीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भवन निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

स्वास्थ्य विभाग ने भवन को हैंडओवर लेने की कार्रवाई शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग ने पहले दिसंबर से केंद्र का संचालन करने की बात कही थी लेकिन पानी और बिजली का कनेक्शन लेने की प्रक्रिया तय समय पर पूरा न होने से लोकार्पण की तिथि भी पीछे खिसकती रही। श्रीकोट में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। वर्ष 2020 में सरकार ने केंद्र के लिए 42.47 लाख रुपये की स्वीकृति दी थी, लेकिन भूमि के अभाव में यह प्रोजेक्ट अटका हुआ था। गत वर्ष श्रीकोट गांव निवासी रणवीर सिंह बिष्ट ने स्वास्थ्य विभाग को अपनी दो नाली भूमि दान देकर इस कार्य को गति दी थी। कार्यदायी संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग के जेई पंकज राणा ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण अब पूरा हो चुका है। बिजली का कनेक्शन लेने के लिए विभाग ने आवेदन किया है। अब तक श्रीकोट क्षेत्र के लोगो को बुखार, सिरदर्द की दवाई लेने के लिए भी 30 किमी दूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नैनबाग का रुख करना पड़ता है।

– उप स्वास्थ्य केंद्रों को सरकार ने अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर का नाम दिया है। श्रीकोट में भवन तैयार हो चुका है। भवन को हैंडओवर लेने की प्रक्रिया चल रही है। 31 मार्च से पहले भवन का लोकार्पण करने की तैयारी की जा रही है।
–डा. श्याम विजय, सीएमओ टिहरी

आंगनबाड़ी वर्करों का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

हरिद्वार। आंगनबाड़ी वर्करों ने 12 सूत्रीय मुद्दों को लेकर रोशनाबाद स्थित कलक्ट्रेट परिसर पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या को संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा गया। जिलाध्यक्ष रितेश चौहान ने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी वर्करों के मानदेय में 140 रुपये रोजाना की वृद्धि करे और केंद्र सरकार को 150 रुपये रोजाना बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजे। सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये दिए जाने का शासनादेश जारी होने तक 300 रुपये की प्रस्तावित कटौती रोकी जाए। बायोमेट्रिक मशीन से न जोड़ा जाए और सुपरवाइजर पद पर हर साल वरिष्ठता के आधार पर भर्ती निकाली जाए। जिला महामंत्री शबनूर ने कहा कि 60 की आयु पूरी करने पर एकमुश्त एक लाख रुपये दिए जाएं। सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष की जाए। केवाईसी और फेस कैप्चरिंग प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। इसके अलावा भी कई मुद्दों को उठाया गया। चेताया गया कि यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा। इस प्रदर्शन में उपाध्यक्ष निर्देश, कोषाध्यक्ष पूनम, अंजू, कविता चौहान, वंदना सैनी, नीलम रानी, ममता पुरी, लता चौधरी, अंजू पाल, किरन, उषा रानी, संतोष देवी, शिल्पा रावत, संतो रानी, शबनम जहां, सावित्री देवी, मौसम रानी, कविता रानी और दीक्षा मौजूद रहीं। इन मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया भवन किराया बढ़ाकर माता समिति के खाते में जमा कराया जाए मोबाइल रिचार्ज भत्ता बढ़ाया जाए दूसरे विभागों के काम के लिए 1000 रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त भुगतान हो नंदा गौरा योजना का लाभ दिया जाए .

बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा का लोकार्पण

देहरादून। बैंक ऑफ इंडिया मसूरी की नई शाखा का उद्घाटन महाप्रबंधक अनिल कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने बैंक की ग्राहकों के लिए लागू की गयी योजनाओं को विस्तार से अवगत कराया व ग्राहकों के सुझाव भी लिए। कुलडी पार्किंग में आयोजित उद्घाटन समारोह के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक अनिल कुमार वर्मा ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया देश का बड़ा बैंक है व सोलह लाख करोड़ से अधिक का व्यापार कर रहा है। साढ़े पांच हजार ब्रांच पूरे देश में हैं। विदेशों में भी इसकी शाखाएं है व देश के छठवें स्थान पर है। उन्होंने ग्राहकों का आह्वान किया कि बैंक से जो भी समस्या हो या सुझाव हो वह बैंक में दे सकते हैं या वह उन्हें सीधे दे सकते हैं। इस मौके पर बैंक द्वारा होटल उद्योग सहित अन्य के लिए कई योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक का न ही किसी में विलय हो रहा है और न ही किसी बैंक का अधिग्रहण किया जा रहा है। बैंक मसूरी में गत 15 वर्ष से सेवा दे रहा है व अब नये परिसर का उद्घाटन किया गया है।

हिमाचल के नाम रही चैंपियनशिप, आंचल बनीं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

– स्वर्ण पदक विजेता को 51 हजार, रजत पदक विजेता को मिले 41 हजार का पुरस्कार

चमोली। औली में 13 से 16 फरवरी तक आयोजित चार दिवसीय शीतकालीन राष्ट्रीय चैंपियनशिप का समापन सोमवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। सर्वाधिक छह स्वर्ण पदक जीतने वाली हिमाचल प्रदेश की टीम को चैंपियन ट्रॉफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेताओं को 51 हजार, रजत पदक विजेताओं को 41 हजार और कांस्य पदक विजेताओं को 31 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में उत्तराखंड समेत विभिन्न राज्यों के साथ सेना और आईटीबीपी सहित कुल 17 टीमों ने भाग लिया। हिमाचल छह स्वर्ण के साथ प्रथम स्थान पर रही, जबकि सेना की टीम तीन स्वर्ण के साथ दूसरे और जम्मू-कश्मीर दो स्वर्ण के साथ तीसरे स्थान पर रही। हिमाचल की आंचल ठाकुर ने दो स्वर्ण पदक जीतकर बेस्ट खिलाड़ी का खिताब हासिल किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि बीकेटीसी के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती रहे। इस अवसर पर विंटर गेम्स एसोसिएशन के सचिव राकेश रंजन भिलंगवाल, सह सचिव अजय भट्ट, एडीएम विवेक प्रकाश, एसडीएम ज्योतिर्मठ चंद्रशेखर वशिष्ठ, विजयंत रावत, विक्रम फरस्वाण, कुलदीप बंगारी, विमलेश पंवार, विकेश डिमरी, प्रदीप मंद्रवाल, कमल किशोर डिमरी, प्रीति डिमरी और वंदना पंवार सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली में भारतीय दृष्टि का समावेश आवश्यक

छः दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास स्थित शैक्षणिक क्रियाकलाप केंद्र में एमएमटीटीसी के तत्वावधान में पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा का एकीकरण विषय पर छः दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में 95 से अधिक शिक्षक और शोधार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रो. आरएल नारायण सिन्हा यूजीसी पर्यवेक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वैश्विक ज्ञान-विमर्श की आधारशिला है। ऐसे पाठ्यक्रम भारतीय शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान करेंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. एनएस पंवार ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में भारतीय दृष्टि का समावेश आवश्यक है। वहीं चौरास परिसर निदेशक प्रो. आर.एस. नेगी ने भारतीय ज्ञान परम्परा की समकालीन प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रो. अनिल नौटियाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय शिक्षा और संस्कृति का वैश्विक प्रभाव सदियों से स्थापित रहा है, जिसे पुनः पाठ्यक्रमीय संरचना में समुचित स्थान दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमरजीत सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी।

इस मौके पर एमएमटीटीसी के सह निदेशक डॉ. राहुल कुंवर, डॉ. सोमेश थपलियाल, कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. डीएस नेगी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुनीत वालिया और शोधार्थी सागर पुरी ने किया।

भारतीय चिंतन एक समन्वित बौद्धिक परंपरा

कार्यक्रम के प्रथम दिवस के सत्रों में श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय की प्रो. कल्पना पंत ने भारतीय दर्शन की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारतीय चिंतन परंपरा वेद, उपनिषद, विभिन्न दर्शन-शास्त्रों तथा लोकानुभव से निर्मित एक समन्वित बौद्धिक परंपरा है, जिसमें ज्ञान को केवल तर्क या इंद्रियानुभव तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे आत्मानुभूति, नैतिकता और लोकमंगल से जोड़ा गया है। वहीं अमेटी विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रो. एवं यूजीसी प्रशिक्षक डॉ. कुसाग्र ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को एक समग्र ज्ञान-संरचना के रूप में व्याख्यायित करते हुए कहा कि यह केवल दार्शनिक विमर्श तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, समाज, शासन, स्वास्थ्य और जीवन-व्यवहार से संबद्ध एक जीवंत और व्यवहारिक परंपरा है, जिसे समकालीन पाठ्यक्रम में वैज्ञानिक दृष्टि और आलोचनात्मक चिंतन के साथ समुचित स्थान दिया जाना चाहिए।

इसी महीने खर्च करें जिला योजना का बजटः डीएम

हरिद्वार। डीएम मयूर दीक्षित ने कहा है कि जिन विभागों ने अब तक स्वीकृत बजट खर्च नहीं किया, वे 28 फरवरी तक अवशेष राशि का अनिवार्य रूप से व्यय सुनिश्चित करें। अन्यथा शेष बजट दूसरे विभाग को दे दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी उस अफसर की होगी। डीएम ने सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 की जिला योजना के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि को लेकर समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं को शीर्ष प्राथमिकता से पूरी करने के निर्देश दिए। व्यय प्रमाण पत्र समय पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com